www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhusgr@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष –10 I अंक–56 I सागर, सोमवार 14 अप्रैल 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

सहकारिता सम्मेलन में बोले केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, प्रदेश में सुशासन के चलते सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर

सहकारी समितियां अब पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसियां भी संचालित करेंगी

मप्र प्राथमिक साख सहकारी समितियों के कम्प्यूटराइजेशन में देश में प्रथम

- सहकारी गतिविधियों से होने वाली आय किसानों के खातों में आएगी
- मुनाफा किसानों को मिलेगा, व्यापारी को नहीं

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मॉडल बायलॉज को अपनाने से सहकारिता आंदोलन को नया जीवन प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां अब पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी संचालन, रेल्वे टिकट बुकिंग, बिल जमा करने जैसी गतिविधियां भी संचालित करेंगी।

श्री शाह रविवार को भोपाल के रविन्द्र भवन में राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां राज्य सरकार सहकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन का कार्य चल रहा है। इसमें मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश में शत-प्रतिशत उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में साढ़े 5 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है जो देश के कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है। प्रदेश में सुशासन का दौर चल रहा है, यह सहकारिता को जीवंत करने का स्वर्णिम अवसर है। प्रदेश के किसानों के साथ केन्द्र सरकार चट्टान की तरह खड़ी है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कम से कम 50 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता और डेयरी गतिविधियों का विस्तार करना आवश्यक है।

सहकारिता क्षेत्र में अपार संभावनाएं : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। बहुउद्देशीय समितियों के माध्यम से प्रदेश में भी सहकारिता की गतिविधियों को बढ़ाया जा रहा है। सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। अब सहकारी समितियों से पेट्रोल पंप, दवाई की दुकान व अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में फैक्ट्रियों को भी सहकारिता से चलाने के लिए अनुबंध हुआ है। डॉ. यादव ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन हर घर की आय में वृद्धि का प्रमाणिक स्त्रोत है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में गौ-पालन और दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। गौ-पालन पर अनुदान की व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार ने दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। सरकार घर-घर गोकुल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। किसानों की जिंदगी बेहतर करने के लिए सरकार गाय का दूध खरीदेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री शाह के मार्गदर्शन में किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य हुआ अनुबंध

केंद्रीय मंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के मध्य अनुबंध हुआ। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के निदेशक डॉ. निमेश शाह ने कहा कि एनडीडीबी, मध्यप्रदेश सरकार और 6 दुग्ध संघ के बीच सहकार्य अनुबंध (एमओयू) हो रहा है। राज्य सरकार ने संगठित बोर्ड के माध्यम से दूध उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनुबंध की सहमति प्रदान की है। एनडीडीबी दूध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह और डॉ. यादव की उपस्थिति में सी.पी.पी.पी. के तहत मेजेस्टिक ग्रुप मंडीदीप के प्रबंध संचालक विज्ञान लोढ़ा द्वारा पैक्स घाट पिपरिया जिला रायसेन के समिति प्रबंधक भास्कर शर्मा के साथ पूसा बासमती धान के प्रोक्योरमेंट एवं कल्टीवेशन के लिये अनुबंध का निष्पादन हुआ। इसके साथ ही मैसर्स मशरूम वर्ल्ड अम्ब्रेला लिमिटेड के प्रबंध संचालक समीर सागर द्वारा पैक्स सलामतपुर जिला रायसेन के समिति प्रबंधक कुंवर सिंह दांगी के साथ नेपियर घास के कल्टीवेशन के लिए अनुबंध हुआ।

गुना में अब स्थिति नियंत्रण में

गुना, देशबन्धु। मध्य प्रदेश के गुना जिला मुख्यालय के एक क्षेत्र में हनुमान जयंती पर निकाले जा रहे जुलूस पर कथित तौर पर पथराव के बाद दो पक्षों में टकराव के चलते स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को सख्ती दिखाना पड़ी। अब क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस ने अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार शनिवार शाम को यहां कर्नलगंज क्षेत्र में एक धार्मिक स्थान के समीप हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में जुलूस निकाला जा रहा था।

इसी दौरान दो पक्षों में विवाद की स्थिति बनी और कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। इसके बाद दो पक्षों में जमकर टकराव हुआ और पथराव की घटनाएं हुयीं। पुलिस ने तत्काल सक्रिय होकर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इस बीच कुछ संगठनों के लोग इस घटना के विरोध में सड़क पर उतर आए। पुलिस ने प्रभावित क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि उसकी प्राथमिकता शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना है। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जेल में दुष्कर्म के आरोपी ने की आत्महत्या

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के कल्याण में 12 वर्षीय लड़की का अपहरण, बलात्कार और हत्या के आरोप में गिरफ्तार एक व्यक्ति ने रविवार सुबह तलोजा जेल में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान विशाल गवली के रूप में हुई है। वह न्यू मुंबई शहर के तलोजा जेल में बंद था। उसने कथित रूप से रविवार सुबह 3.30 बजे शौचालय में फांसी लगा ली।

कुछ कैदियों ने घटना की जानकारी जेल अधिकारियों को दी, जिन्होंने स्थानीय खारगर पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी ने जेल परिसर में आत्महत्या कर ली, जिससे पुलिस टीम स्तब्ध रह गई।

4 जिला कलेक्टरों सहित 9 आईएएस अधिकारियों के तबादले

रौशन कुमार उज्जैन, अंशुल गुप्ता विदिशा कलेक्टर होंगे

भोपाल, देशबन्धु। राज्य शासन ने 4 कलेक्टर सहित 9 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक विदिश कलेक्टर रौशन कुमार सिंह को उज्जैन कलेक्टर बनाया गया है, वहीं जनसंपर्क विभाग के संचालक अंशुल गुप्ता विदिशा कलेक्टर होंगे। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उज्जैन सिंहस्थ मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। वहीं उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को संचालक (परियोजना) लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बनाया गया है। आदित्य सिंह को हरदा से कलेक्टर अशोकनगर, सिद्धार्थ जैन को अपर कलेक्टर भोपाल से कलेक्टर हरदा बनाया गया है।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे को अपर सचिव श्रम विभाग तथा सचिव मध्यप्रदेश असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सुश्री ज्योति शर्मा को अपर कलेक्टर इंदौर से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास और हिमांशु प्रजापति को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास से कार्यकारी संचालक मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम भेजा गया है। गुलशन बामरा को प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग को अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीतिलेषण संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऋषि गर्ग राज्य योजना आयोग के सदस्य को आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी के अतिरिक्त प्रभार के साथ अटल बिहारी बाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्था का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

राप्रसे के भी 2 अधिकारी बदले

शासन ने राज्य प्रशासनिक सेवा के भी 2 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें राजेश कुमार कुमार को संचालक अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान से उप सचिव संस्कृति विभाग तथा पर्यटन विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं सुश्री शिवांगी जोशी को संयुक्त कलेक्टर जबलपुर से राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम का महाप्रबंधक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

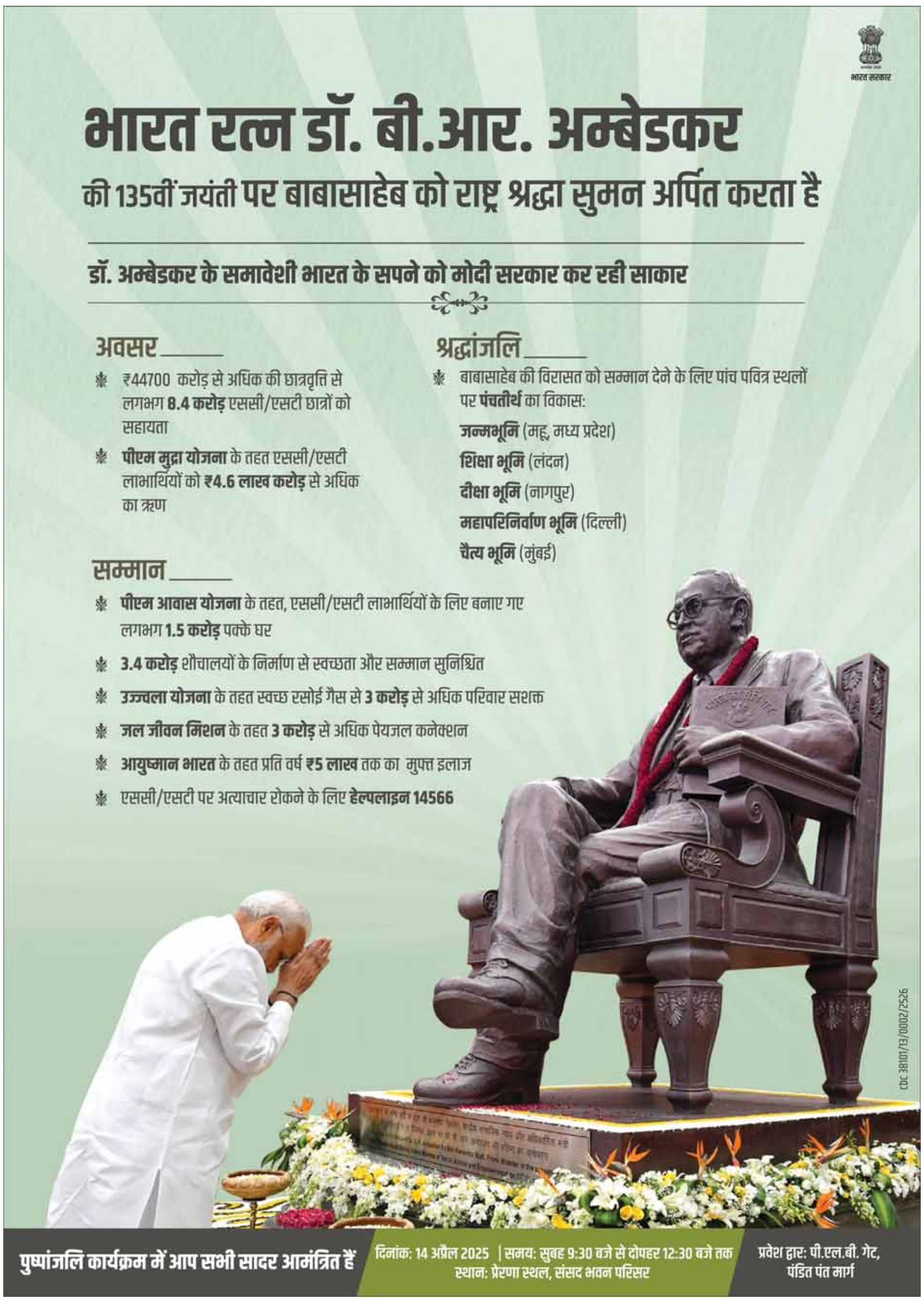

ई. ऑफिस सिस्टम लागू न करने वाले विभाग प्रमुख की रुकेगी एक-एक वेतन वृद्धि

सागर, देशबन्धु। ई. ऑफिस सिस्टम सिस्टम लागू न करने वाले विभाग प्रमुख की एक-एक वेतन वृद्धि रुकेगी एवं ई ऑफिस सिस्टम से दक्षता, पारदर्शिता के साथ होगी समय की बचत, सभी विभागों को ई ऑफिस पर शीघ्र ही ऑनबोर्डिंग हों। उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जीआर ने दिये। कलेक्ट्रेट में ई. ऑफिस सिस्टम शुरू हो चुका है जिसके अंतर्गत फाइल के ऑनलाइन अनुमोदन सहित ई. ऑफिस से फाइल का निराकरण किया जाने लगा है। ई.ऑफिस के माध्यम से जहां एक ओर कार्य में पारदर्शिता रहेगी, वहीं गुणवत्ता के साथ समय की बचत भी होगी। उन्होंने जिले के सभी विभागों को ई ऑफिस पर शीघ्र ऑनबोर्ड होने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने समस्त विभाग प्रमुख को निर्देशित किया है कि जिनकी ई फाइलिंग सिस्टम से ऑनबोर्डिंग हो गया है वह सभी विभाग अपना कार्य ही ई सिस्टम प्रणाली के माध्यम से ही संपादित करें। फिलहाल अधिकारी कर्मचारियों को इसकी ट्रेनिंग दी जा रही है। ई.ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद सभी तरह की फाइल ऑनलाइन खलेंगी। फाइल किस अधिकारी के पास पेंडिंग है, यह सब ऑनलाइन दिखेगा। लोगों के आवेदन पर विभागीय स्तर से जो फाइल चलेगी उसका समय सीमा में निराकरण होगा। इस तरह से सरकारी काम में पारदर्शिता आयेगी। ई.ऑफिस सिस्टम में अधिकारी, कर्मचारी अपनी आईडी से ऑनलाइन अन्य अधिकारी को फाइल भेज सकेंगे और अनुमोदन भी ऑनलाइन प्राप्त किया जा सकेगा। ई.ऑफिस सिस्टम से समय और पेपर दोनों की बचत होगी। विभाग प्रमुखों को ई.ऑफिस का प्रशिक्षण जिला सूचना विज्ञान अधिकारी डेलन प्रजापति और ई.गवर्नेंस मैनेजर राहुल शर्मा द्वारा दिया जा रहा है। डीआईओ प्रजापति ने बताया कि कलेक्ट्रेट ऑफिस ई.सिस्टम के लिये अपडेट हो गया है। अन्य विभागों से डेटा मांगा जा रहा है। भविष्य में विभागीय स्तर पर जो आवेदन डिजिटलाइज्ड होंगे तो एक विलक पर उपलब्ध हों सकेंगे। इमरजेंसी में कोई नोटशीट ऑनलाइन कभी भी और कहीं से चला सकते हैं। इसमें मूवमेंट व टाइम रिकॉर्ड होगी। इससे कामकाज की गति और दक्षता बढ़ेगी।

अंबेडकर जयंती की पूर्व बेला पर संविधान चौक पर जल अभिषेक किया

सागर, देशबन्धु। भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती की पूर्व बेला पर विधायक शैलेंद्र जैन ने अंबेडकर वार्ड स्थित संविधान चौक पर बाबा साहेब की प्रतिमा का जल अभिषेक एवं मोमबत्ती जलाकर उनको श्रद्धांजलि देने का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विधायक शैलेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी एवं निगमाध्यक्ष वृंदावन अहिरवार ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जल अभिषेक कर उनकी प्रतिमा के समक्ष केंडिल जलाकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई, इस अवसर पर विधायक जैन ने संबोधित करते हुये कहा कि हम सभी के लिये अत्यंत गौरव की बात है कि भारतीय संविधान के निर्माता, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की इस 134 वीं जन्म जयंती पर उनकी स्मृति में निर्मित इस संविधान चौक पर उनका जल अभिषेक कर उनके समक्ष मोमबत्ती जलाकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं, हमारा अंबेडकर वार्ड बाबा साहेब के अनुयायियों का वार्ड है आज हम और आप जहां पर है इस स्थिति में लाने का श्रेय बाबा साहेब को जाता है। कार्यक्रम में जगन्नाथ गुरैया, वीरेंद्र पाठक, रामू ठेकेदार, शारदा कोरी, नीलम अहिरवार, ओ पी शिल्पी, विशाल खटीक, अनीता अहिरवार, मनीष चौबे सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने बांट रहे सकोरे

सागर, देशबन्धु। मनवानी फिल्म्स, सिन्धु संस्कार समिति के पदाधिकारियों ने कहा की प्यासे पक्षियों के लिये सकोरे बांटने का मतलब है, पक्षियों को पीने के लिये पानी देने के लिये सकोरे रखना। गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की कमी हो जाती है, इसलिये लोगों को अपने घरों के आसपास सकोरे रखकर पक्षियों की मदद करनी चाहिये। मनवानी फिल्म्स के डायरेक्टर राजेश मनवानी ने कहा की हमारी समिति ने 2010 से इस अभियान की शुरुआत भगवान झूलेलाल जयंती के मौके पर की थी यह 15 वां वर्ष है गर्मी में प्यासे कंठ को तर करने के लिए प्याऊ तो कई लोग लगाते हैं। लेकिन मूक पक्षियों की कोई सुध नहीं लेता। हमने इस दिशा में पहल करते हुये घर-घर सकोरे बांटने का अभियान छेड़ा है। अब तक इस वर्ष झूलेलाल जयंती से डेढ़ सौ सकोरे वितरित भी किये जा चुके हैं। 500 सकोरे बांटने का लक्ष्य है। जरूरत के अनुसार लक्ष्य को बढ़ाया जायेगा। समिति के अध्यक्ष सुनील मनवानी, सचिव सुरेश मोहनानी ने कहा कि गर्मी के दौरान हर साल हजारों पक्षी प्यास के कारण मर जाते हैं। इस स्थिति को देखते हुये सिन्धु संस्कार समिति के सदस्यों ने अपनी ओर से लोगों को सकोरे देने का निर्णय लिया।

सेवा से धर्म, देश, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा होती है: निर्भय सागर

सागर, देशबन्धु। 12 पिच्छी के मंगल सानिध्य में गर्भ कल्याणक उत्तरार्द्ध की क्रियायें बाल ब्र. राकेश भैया, ब्र. मनीष भैया, ब्र. अंकित भैया, प्रतिष्ठाचार्य अभिषेक आशीष दमोह के द्वारा विधि विधान के साथ संपन्न कराई। मीडिया प्रमुख मनोज जैन लालो ने बताया कि महाराजा नाभिराय का दरबार लगाया गया। राजा नाभिराय बने स. सिंघई शरद कुमार, कांति कुमार सराफ, सिंघई अरुण कुमार, हुकुमचंद ललितपुर, विजय कुमार भोपाल एवं भगवान की माता बनने का सौभाग्य आशा जैन, शशि जैन, साधना जैन, निर्मला देवी जैन एवं अशर्फी देवी जैन को प्राप्त हुआ। प्रात: काल प्रभु का अभिषेक और शांतिधारा पुण्यार्जक परिवारों ने की। गर्भ कल्याणक पूजन में प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रमुख पात्र जिसमें सौधर्म इंद्र बने संपत जैन, राकेश जैन, अभिषेक जैन, नंदन जैन, अमित जैन एवं कुबेर इंद्र अभिषेक जैन संभव जैन अनूप जैन राहुल जैन, महायज्ञ नायक. अजीत कुमार भोपाल, नवीन जैन जमशेदपुर, सत्येंद्र जैन, विनोद जैन मेरठ के साथ इंद्र-इंद्राणी सम्मलित हुये, जिन्होंने भक्तिपूर्वक प्रभु के सम्मुख अर्घ्य समर्पित किये। भगवान के गर्भ में आने की सूचना मिलते ही पंडाल में खुशियों का माहौल छा गया पूरा माहौल भक्ति में हो गया। इंद्रसभा व राज्यसभा दिखाई गई। 56 कुमारियों के नृत्य के बाद मरुदेवी माता को सोलह शुभ तथा मंगलकारी स्वप्न देखे।

सुबह जागने पर मरुदेवी माता ने महाराज नाभिराय से अपने स्वप्नों की चर्चा की और उसका फल जानने की इच्छा प्रकट की। राजा नाभिराय एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ ही ज्योतिष शास्त्र के भी विद्वान थे। उन्होंने रानी से कहा कि एक-एक कर अपना स्वप्न बताइये। आचार्यश्री निर्भय सागर ने प्रवचन के दौरान कहा मानव जीवन को सफल बनाने के लिये परिश्रम और पुण्य कार्य करना जरूरी है। तीर्थंकरों का जीवन सफल होता है और वह दूसरों का जीवन भी सफल करते हैं। जीवन की यात्रा गर्भ से शुरु होती है, गर्भ के संस्कार जीवनभर काम आते है। आचार्यश्री ने कहा सेवा धर्म है, कर्तव्य है, भक्ति है, पुण्य कर्म है। सेवा से धर्म, देश, संस्कृति और संस्कारों की रक्षा होती है। आचार्य के पूर्व मुनि गुरुदत्त सागर, मुनि पद्मदत्तसागर एवं मुनि इन्द्रदत्तसागर ने प्रेरक उपदेश दिया।

अखिल भारतीय पाल, बघेल, धनगर महासभा के तत्वाधान में हुआ सम्मेलन का आयोजन

सागर, देशबन्धु। विधायक प्रदीप लारिया ने अखिल भारतीय पाल, बघेल, धनगर महासभा के तत्वाधान में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर महोत्सव सम्मेलन में शामिल हुये। विधायक लारिया ने सर्वप्रथम लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर तथा समाज के महापुरुषों के भव्य चित्रों की समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित किये। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि पाल,बघेल व धनगर समाज का गौरवपूर्ण तथा न्यायपूर्ण इतिहास रहा है। यह समाज अहिल्याबाई होल्कर का वंशज है। लोकमाता ने धर्म में ही केवल अपने राज्य नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष में उल्लेखनीय कार्य किये। इस अवसर पर विधायक ने समाज के उत्थान और समृद्धि के लिये एकजुटता और संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने देवी अहिल्याबाई होल्कर एवं मल्हार राव होल्कर के जीवन पर अपने विचार सांझा किये। लारिया ने समाज की मांग पर देवी अहिल्या बाई होल्कर मूर्ति स्थापना के लिए एक लाख की घोषणा की। इस अवसर पर राकेश पाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय पाल, बघेल, धनगर महासभा, रामदास पाल, हरिराम पाल, परसोत्तम पाल, गोटीराम रामपाल सहित बड़ी संख्या में पाल, बघेल व धनगर समाज के लोगों ने भाग लिया।

ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति वाहन रैली और शोभायात्रा में होंगी शामिल

सागर, देशबन्धु। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिलाध्यक्ष दीपा तिवारी की अध्यक्षता में ब्राह्मण समाज की मातृशक्ति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 29 अप्रैल अक्षय तृतीय की पूर्व संध्या पर वाहन रैली एवं 30 अप्रैल भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव शोभायात्रा एवं वाहन रैली में शहर की विप्र महिलाओं को बड़ी संख्या में शामिल करने की रणनीति तय की गई। विप्र मातृशक्ति वाहन रैली में खुली जीप व स्कूटर पर पीली साड़ी पगड़ी की भेष भूषा में सम्मिलित होकर भगवान परशुराम के जयकारे का उद्घोष करेंगी। दीपा तिवारी ने मौजूद विप्र शक्ति को संबोधित करते हुये कहा कि अब ब्राह्मण बच्चों को वैदिक संस्कार व सनातन संस्कृति पर चलने की शिक्षा प्रदान करे ताकि विप्र बच्चे देश का सुनहरा एवं सुरक्षित भविष्य बन सके। युवा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. भारत तिवारी ने भगवान परशुराम प्राकट्योत्सव पर आयोजित वाहन रैली व शोभायात्रा के संचालन एवं तैयारियों की जानकारी देते हुये विप्र मातृशक्ति से आयोजन में शामिल होने की अपील की। रेणु शुक्ला ने जरूरत मंद विप्र बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा व कोचिंग खोले जाने की बात रखी। डिग्री कॉलेज जन भागीदारी समिति अध्यक्ष मनीषा मिश्रा ने समाज की सभी महिलाओं को संगठन की सभी गतिविधियों में बढ़-चढकर भागीदारी लेने की बात रखी। बैठक में विप्र महिलाओं ने समाज की एकजुटता पर बल देते हुये शहर के प्रत्येक वार्ड में महिला विप्र ईकाई गठित करने का निर्णय लिया। शीघ्र ही जिला शहर व ग्रामीण ईकाई की घोषणा की जायेगी। बैठक में संध्या मिश्रा, प्रीति शर्मा, ऋतु तिवारी, संघ मिश्रा, वंदना दुबे, ऊषा गोस्वामी, आस्था मिश्रा, सीमा तिवारी, मेघा मिश्रा, रश्मि दुबे, रेणु शुक्ला सहित बड़ी संख्या में विप्र महिला मौजूद रही।

15 साल की छात्रा ने फांसी लगाई

बीना, देशबन्धु। वीर सावरकर वार्ड में सीताराम कुशवाहा की 15 वर्षीय बेटी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना उस समय हुई जब मृतका के पिता और भाई बगल के कमरे में सो रहे थे। उसकी मां रिश्तेदारी में विदिशा गई हुई थी। परिजनों ने सुबह करीब 11 बजे छात्रा आस्था को पंखे से लटका हुआ देखा। आस्था श्री नाभिनंदन दिगम्बर जैन स्कूल में पढ़ती थी। वह इसी साल नौवीं कक्षा पास करके दसवीं में आई थी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। एएसआई शिखर के अनुसार घर में दो कमरे हैं। पहले कमरे में पिता और भाई सो रहे थे। छात्रा ने अंदर वाले कमरे में पंखे से फांसी लगाई। आत्महत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इससे पहले 3 फरवरी को इसी स्कूल के एक छात्र ने ओवर ब्रिज से कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया था। वह छात्र अभी भी इलाजरत है। मामले में अभी तक कारण स्पष्ट नहीं हुआ है। इस नई घटना से परिजन सदमे में हैं और कुछ बता पाने की स्थिति में नहीं हैं।

घर-घर हो रहे पंडित तैयार

श्रवण संस्कृति, सांगानेर द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम परीक्षा संपन्न

सागर, देशबन्धु। श्रावण संस्कृति संस्थान, सांगानेर जयपुर द्वारा संचालित द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम की फाइनल परीक्षा संपन्न हुई। यह पाठ्यक्रम बारह वर्ष का होता है। रेखा जैन अहिंसा ने बताया आज पूरे भारत में यह परीक्षा संपन्न हुई। महिलायें घर का काम करके एवं अपने कर्तव्य का निर्वाहन के साथ-साथ पढ़ाई में भी अत्यंत जागरूक रही और पूरे वर्ष मेहनत करके परीक्षा दी है। महिलायें काफी उत्साहित है, रविवार को प्रथम वर्ष से लेकर सप्तम वर्ष तक की परीक्षा संपन्न हुई जिसमें 25 साल से लेकर 80 साल तक की महिलायें एवं पुरुष शामिल हुये यह प्रतिवर्ष श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर से संचालित होती है इसका इसका मुख्य उद्देश्य सभी को स्वाध्याय की प्रति जागरूक करना है और जैन आगम में छुपे गूढ रहस्य को जानना एवं उसके बारे में अन्य लोगों को बताना भी इसका उद्देश्य है। सागर शहर में इस परीक्षा के लिये 20 से 22 केंद्र बनाये गये थे।

गांव चलो अभियान के माध्यम से पामाखेड़ी में किया भ्रमण

सागर, देशबन्धु। नरयावली विधानसभा अंतर्गत ग्राम पामाखेड़ी में सांसद लता वानखेड़े एवं विधायक प्रदीप लारिया ने भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं के साथ गांव चलो अभियान के तहत सघन भ्रमण कर केंद्र एवं प्रदेश भाजपा सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर ग्रामवासियों का कुशलक्षेम जाना। प्रतिनिधिद्वय ने योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात कर बातचीत की। उन्होंने जन सहयोग से मंदिर प्रांगण में स्वच्छता कार्य संपादित कराया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि प्रदेश में संगठन पर्व चल रहा है। पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश भर में 13 अप्रैल तक गांव चलो अभियान के माध्यम से पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने और जनसंपर्क को मजबूती प्रदान कर रही है। विकास की श्रृंखला में नरयावली विधानसभा में भी विकास कार्यों की बयार आई हुई है। पथरिया जाट-सिरोंजा-पामाखेड़ी सड़क मार्ग 5.50 मीटर चौड़ाई लागत 5.48 करोड़ रुपये, फोर लाइन से खेजराबाग सड़क मार्ग लंबाई 3.50 मी. लागत 5.24 करोड रुपये की निविदा जारी हुई है। पिपरिया करकट पामाखेड़ी मार्ग लंबाई 4 किमी राशि 476.05 लाख, पामाखेड़ी सांईखेड़ा मार्ग लंबाई 6.60 किमी राशि 803.47 लाख, पामाखेड़ी पिपरिया करकट मार्ग लंबाई 4.20 किमी राशि 450 लाख के सड़क मार्ग स्वीकृत हुये हैं। मंगल भवन निर्माणाधीन 38 लाख रुपये, विधायक निधि से सामुदायिक भवन निर्माण 2.50 लाख रु. एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लागत 3.6 करोड रुपये की निर्माण कार्यों से जन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अवसर पर अशोक सिंह पड़रिया, सांसद प्रतिनिधि गुड्डू वानखेड़े, राजाराम शर्मा, निकेश गुप्ता, सुनील तिवारी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामवासी मौजूद रहें।

प्रधान आरक्षक की कार गुमठी में घुसी, हादसे में दुकानदार पिता-पुत्र घायल

बीना, देशबन्धु। रविवार दोपहर एक प्रधान आरक्षक की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित चाय पान की गुमठी में जा घुसी। घटना में गुमठी के अंदर बैठे पिता-पुत्र को गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया। वर्तमान में प्रधान आरक्षक खुरई थाने में पदस्थ है। वह कार चलाना सीख रहा था। घटना खिमलासा रोड पर अयोध्यापुरी कॉलोनी के सामने हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रधान आरक्षक अवनीश रविवार दोपहर को अपनी कार यूपी 15 बीएफ3366 चलाना सीख रहा था। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक गुमठी में जा घुसी। इस दौरान गुमठी के अंदर चार लोग बैठे थे। गुमठी मालिक गजराज 55 और उसके बेटे राहुल 30 को गंभीर चोट आई, जबकि दो अन्य लोगों बाल-बाल बच गये। घटना के वक्त प्रधान आरक्षक के साथ कार में राजेश तिवारी और एक अन्य व्यक्ति सवार थे। आरोप है कि कार सवार लोगों ने घायलों को धमकाना शुरू कर दिया। इससे आसपास के लोग नाराज होकर उन्हें पीटना शुरू कर दिये। घायलों को अस्पताल पहुंचाने से पहले ही कार सवार थाने पहुंच गये। उन्होंने घायलों पर ही मारपीट और छीना छपटी का आरोप लगा दिया। जानकारी लगते ही अस्पताल से घायल भी कई लोगों के साथ थाने पहुंच गये। घायलों ने पुलिस पर भेदभाव करने और शिकायत न दर्ज करने का आरोप लगाया है। बीना थाना प्रभारी अनूप यादव ने घायलों को कार्यवाही का भरोसा दिया है। पुलिस अस्पताल में पहुंचकर घायलों से जानकारी ली है। जांच के बाद कार्यवाही होगी।

चपरासी द्वारा कॉपियां जांचने के विरोध में उच्च शिक्षा मंत्री के पोस्टर जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

सागर, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में शासकीय शहीद भगत सिंह पीजी कॉलेज में चपरासी के द्वारा कॉपियां जांची जाने के विरोध में रविवार को एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष अभिषेक अहिरवार के नेतृत्व में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के पोस्टर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राहुल चौबे ने कहा कि प्रदेश की तमाम कॉलेजों में भ्रष्टाचार व अनियमिततायें चरम पर है विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जिससे उनका भविष्य अंधकार में जा रहा है। कार्यक्रम में शैलेंद्र तोमर, अवधेश तोमर, जितेंद्र चौधरी, नीलेश अहिरवार, सागर साहू, रीतेश रोहित, पवन जाटव, चक्रेश रोहित, गगन अहिरवार, हेमंत चौधरी सहित एनएसयूआई के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करते हुए देश सेवा के लिए समर्पित है: श्याम तिवारी

सागर, देशबन्धु। भाजपा के जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी स्थापना दिवस के तहत गांव-बस्ती चलो अभियान में जिले की बीना विधानसभा के भानगढ मंडल पहुंचे जहां उन्होंने ग्राम पंचायत परासरी में बूथ समिति बैठक को संबोधित कर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान किया एवं लाभार्थियों से संपर्क कर चौपाल चर्चा की। इस दौरान बीना विधायक निर्मला सप्रे, मण्डल अध्यक्ष पवन यादव, राजेन्द्र उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, जनपद अध्यक्ष ऊषा राय, अजय पटेल भी उपस्थित रहें। बूथ समिति बैठक को संबोधित करते हुये जिलाध्यक्ष ने कहा कि बूथ के कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हैं। आप भाजपा के चेहरे हैं और आप ही जनता के बीच भाजपा की छवि बनाते हैं। आपके बल पर ही भाजपा संगठन आदर्श संगठन के रूप में जाना जाता है। भाजपा महापुरूषों के त्याग, तपस्या और बलिदान से बनी है हमारी पार्टी राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करते हुये देश सेवा के लिये समर्पित है। कार्यकर्ता बूथ-बूथ पर जरूरत मंदो को खोजकर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनहितैषी योजनाओं का लाभ दिलायें। बीना विधायक ने कहा कि जनसंघ के संस्थापकों में से एक पं. दीनदयाल उपाध्याय ने हमें एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार दिया, जिनके आधार पर भाजपा आगे बढ़ रही है और समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का कल्याण ही भाजपा का लक्ष्य है। भानगढ मंडल में पहुंचने पर बीना विधायक निर्मला सप्रे, मंडल अध्यक्ष पवन यादव के साथ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी का भव्य स्वागत किया गया जहां उन्होंने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया व उपस्थित जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ताओं के साथ प्रतिमा परिसर की साफ सफाई कर स्वच्छता के प्रति संदेश दिया। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन ने दी।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

सार समाचार

हनुमान जन्मोत्सव शोभा यात्रा में नारी शक्ति का अद्भुत प्रदर्शन

बिजावर, देशबन्धु। नगर में श्री हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में धार्मिक उल्लास, आस्था और शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला।

इस शोभा यात्रा में सैकड़ों की संख्या में आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जो धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत थीं। हिंदू युवा क्रांति दल नारी शक्ति बिजावर की बहनें विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं, जिन्होंने करीब 200 से अधिक की संख्या में सहभागिता कर शक्ति प्रदर्शन किया। बहनों ने भगवा ध्वज, हाथों में तलवारें लेकर जय सियाराम के नारों के साथ नगर भ्रमण किया। किसी ने महारानी लक्ष्मीबाई का स्वरूप धारण किया, तो कोई मां दुर्गा के रूप में नजर आईं पूरा नगर देवी शक्ति के दर्शन में लीन हो गया। शोभायात्रा का आयोजन श्री राम सेवा कमेटी और नगरवासियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अवैध हथियारों लेकर बनाई रील, पुलिस ने दबोचा

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर में सोशल मीडिया पर दहशत फैलाने की मंशा से दो युवकों द्वारा अवैध हथियारों के साथ बनाई गई इंस्टाग्राम रील वायरल हुई है। रील में दो युवक हाथों में सिगरेट, तलवार और अवैध हथियार लहराते हुए नजर आ रहे है और वीडियो पर छतरपुर का नया डॉन मोंटी माफिया लिखा हुआ है। ओरछा रोड थाना पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी मोंटी सिंह चंदेल को अवैध कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी दीपक यादव ने बताया कि रील के जरिए डर और दहशत फैलाने का प्रयास किया गया था, जिसे गंभीरता से लेते हुए आवश्यक धाराओं में मामला दर्ज कर कार्यवाही की गई है। पुलिस अन्य युवकों की भी जांच कर रही है, जो वीडियो में शामिल थे।

हनुमान जयंती पर हुए कन्याभोज, भंडारे

महाराजपुर, देशबन्धु। हनुमान प्रगटोत्सव के मौके पर जगह-जगह मंदिरों में धार्मिक आयोजनों की धूम रही है। इस दौरान अखंड रामायण पाठ, सुंदरकांड पाठ सहित कन्या भोज और भंडारों का आयोजन किया गया।

नगर में कुम्हेड़ वाले हनुमान मंदिर में रामकीर्तन किया गया। हटीला हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड के साथ भंडारा और खंदिया सरकार हनुमान मंदिर में वृंदावन धाम से आए पं राजेंद्र महाराज द्वारा तीन दिवसीय संगीतमय राम कथा महायज्ञ के बाद कन्या भोज व भंडारे का आयोजन किया गया। ग्राम मझगुवां, पुर, सेला, बुढ़रख और उर्दमऊ में भी धार्मिक आयोजन के साथ हनुमान प्रगटोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

पिता ने रक्तदान करके मनाया बेटी का जन्मदिन

छतरपुर, देशबन्धु। रक्तवीर सेवा दल के अमित जैन ने बताया कि रक्तदानी शुभम राय ने अपनी पुत्री मिष्टी राय के जन्म के बाद से ही उसके हर जन्मदिन पर रक्तदान का संकल्प लिया है। वे तभी से बेटी के हर जन्मदिन पर किसी जरुरतमंद के लिए रक्तदान करते आ रहे हैं। इस बार भी शुभम ने अपनी बेटी के तीसरे जन्मदिन पर जिला अस्पताल में भर्ती एक मरीज के लिए रक्तदान करके पीड़ित मानवता की सेवा की है। रक्तदानी शुभम का कहना है कि वे बेटी को ईश्वर द्वारा दिया गया, अपने जीवन का सबसे खूबसूरत उपहार मानते हैं। समाज मे बेटे- बेटी में फर्क खत्म हो, इसी उद्देश्य से मैं हर साल अपनी बेटी के जन्मदिन पर रक्तदान के लिए संकल्पित हूँ।

परिवहन विभाग की लापरवाही यात्रियों पर पड़ रही भारी, कोई नहीं सुनने वाला

अनदेखी : बिना परमिट और फिटनेस के फर्राटे भर रही खटारा बसें

छतरपुर, देशबन्धु। शहर सहित पूरे जिले में इन दिनों बिना परमिट और बिना फिटनिस के बसों का संचालन किया जा रहा है। जिन्हें रोकने की जुर्रत कोई नहीं कर पा रहा है, न इन पर कार्यवाही की जा रही है। परिवहन विभाग की यही लापरवाही यात्रियों पर हादसों और अधिक किराया वसूली कि रुप में भारी पड़ रही है।

हाल ये है कि शहर के बस स्टैंड से दर्जनों बसें खटारा हालत में बिना परिमिट के सडकों पर दौड़ रही हैं। कुछ बसें तो ऐसी हैं जिनको 12 से 15 साल तक हो गए, उसके बावजूद वे सड़कों पर खटारा हालत में फर्राटे भर रही हैं। परिवहन विभाग अधिकरियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से बडी संख्या में अनफिट वाहनों को ले देकर फिटनेस दी जा रही है। ऐसे तमाम अनफिट जर्जर वाहन सड़कों पर फर्राटा भरकर यात्रियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बता दें कि अनफिट बसों को परिवहन विभाग निर्धारित प्रावधानों पर चैक करके फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करता है। इसके बाद ही उन्हें सडक पर चलाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में बस संचालक को हर सीट के हिसाब से टैक्स देकर वाहनों की फिटनेस भी समय से करानी होती है। कई बस ऑपरेटर ऐसे भी हैं जो विभाग से सांठगांठ कर सीटों को कम दिखाकर परमिट ले लेते हैं यानी हर सीट पर सरकार को करीब 200 रुपए महीने का चूना लगाया जा रहा है। जो बसें बिना परमिट के दौड़ रही हैं वह तो 10 से 12 हजार रुपये का हर महीने परिवहन विभाग को घाटा दे रही हैं। अधिकांश मामलों में देखा जा रहा है कि बसों की फिटनेस करानी तो दूर बस ऑपरेटर परमिट तक लेना जरुरी नहीं समझ रहे हैं। ऐसे में जहां एक ओर विभाग को टैक्स नहीं मिल पा रहा है वहीं यात्रियों के जीवन से खिलवाड भी हो रहा है। कई बसें ऐसी भी हैं जो दूसरे वाहनों के परमिटों पर दौड़ रही हैं। ये सब गोलमाल बडे पैमाने पर चल रहा है। इसकी हकीकत तब सामने आती है जब परिवहन विभाग का चेकिंग प्वाइंट लगता है। तब गिनीचुनी बसें ही सडकों पर दिखती हैं।

बिना टैक्सी परमिट के चल रहे सैकडों वाहन

जिले में जो गाड़ियां पंजीकृत हैं, इनमें से केवल कुछ वाहन के ही टैक्सी परमिट विभाग से जारी किए गए हैं। अधिकांश वाहनों का बिना टैक्सी परमिट के धड़ल्ले से व्यवसायिक इस्तेमाल किया जा रहा है। जिले में बिना आरटीओ परमिट के ट्रैवल्स एजेंसियों से जुड़ी सैकड़ों लग्जरी गाडियां सडकों पर दौडाई जा रही हैं, जो शासन को करोड़ों रुपए का चूना लगा रही हैं। सही बातये है कि जिले के 90 फीसदी वाहन मालिक प्राइवेट रजिस्ट्रेशन कराके वाहनों का कामर्शियल इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें से काफी संख्या में छोटी कार और जीप, बोलेरो, इनोवा, क्वालिस, स्कार्पियो जैसे कई लक्जरी वाहन जिले के कृषि विभाग, बिजली विभाग, सिंचाई विभाग, लोक निर्माण, स्वास्थ्य विभाग जैसे कई सरकारी विभागों में किराए पर लगे हैं। ये लापरवाही सबके सामने है मगर विभाग इसे अनदेखा करके मनमानी की खुली छूट दिए है।

युवक को लाठी, कुल्हाड़ी से पीटा, मोटर साइकिल और 10 हजार रुपए लूटे

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के भगवा थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह से लौट रहे एक मोटर साइकिल से सवार युवक को करीब 10 लोगों ने रास्तें में रोककर, लाठी और कुल्हाडी से बेरहमी से पीटा। इसके बाद मोटर साइकिल सहित उसके पास रखे 10 हजार रुपए लूटकर फरार हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार ग्राम गोरखपुरा निवासी 32 वर्षीय राणा अपने साथी गजेंद्र सिंह और छुट्टू राजा के साथ मोटर साइकिल से एक शादी में शामिल होने के लिए गया था। जब रात में वह वहां से दोस्तों के साथ वापस लौट रहा था। तभी ग्राम बांकपुरा के पास रात करीब साढ़े 10 बजे रास्तें में घात लगाकर बैठे 10 लोगों ने मोटर साइकिल को रोक लिया। इसके बाद नाम पूंछा, जब तक वे कुछ समझ पाते तब तक आरोपियों ने राणा पर लाठियों व कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। इसी बीच मौका पाकर राणा के दोस्त गजेंद्र सिंह और छुट्टू राजा अपनी जान बचाकर मौके से भाग गए। इस हमले में राणा गंभीर रूप से घायल हो गया, और आरोपी राणा की मोटर साइकिल सहित उसके पास रखे 10 हजार रुपए भी लूटकर ले गए।

इस घटना की सूचना मिलने पर रात करीब 2 बजे 100 डायल पुलिस ने मौके पर जाकर घायल राणा को भगवां अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बड़ामलहरा अस्पताल रेफर किया गया। गंभीर हालत को देखते हुए राणा को वहां से तुरंत जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया गया। राणा को अस्पताल में भर्ती करके सिर में 32 टांके लगाए गए हैं। घायल राणा ने बताया उस पर हमला करने वालों में बांकपुरा निवासी गुलाब सिंह, चंदन सिंह, मेरवन, जीतू, पुष्पेंद्र, हरी, बलवान, हल्ले, जाहर और छोटू सिंह शामिल थे। भगवां पुलिस ने बताया मामला दर्ज करके जांच की जा रही है। सभी आरोपियों को शीघ्र पकड़ लिया जाएगा।

बकाया रकम मांगने पर बेरहमी से पीटा

रविवार को छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में देरी रोड पर गंगाराम प्रजापति को ईंटों के बकाया पैसे मांगने पर बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया गया है। गंगाराम ने बताया उसने 12 अप्रैल को देवेंद्र द्विवेदी के यहां 2000 ईंटें 10000 रुपए में बेची थीं। जब वह महर्षि स्कूल के सामने देवेन्द्र से रुपए लेने पहुंचा, तो देवेंद्र और उनके पिता ने भुगतान करने से मना करके गाली-गलौज करते हुए उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित ने सिविल लाइन थाने जाकर रिपोर्ट लिखाने का प्रयास किया पर पुलिस ने अनसुना कर दिया। थाने में कई घंटों तक इंतजार करने के बाद उसने एसपी आफिस आकर अपनी व्यथा सुनाई हैं।

कथावाचक पति पर दहेज प्रताड़ना का आरोप, जांच जारी

छतरपुर, देशबन्धु। 22 वर्षीय विवाहिता दिया रावत ने अपने कथावाचक पति पर दहेज प्रताड़ना और मारपीट का आरोप लगाकर महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

ग्वालियर निवासी दिया रावत ने महिला थाने में आकर बताया कि दो साल पहले उनकी शादी नौगांव निवासी कथावाचक अंकित रावत के साथ हुई थी। उसने अंकित के धार्मिक प्रवचनों से प्रभावित होकर उसके साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के समय कोई दहेज नहीं मांगा गया था। मगर शादी के कुछ समय बाद पति के साथ ससुराल में सभी लोगों का व्यवहार अचानक बदल गया। अब ससुराल वाले रुपयों की मांग करके उसके साथ मारपीट करते हैं। इतना ही नहीं पति ने उसे घर से बाहर निकाल दिया है, अब वह अपनी मां के पास रह रही है। दिया ने बताया कि उसने पहले नौगांव थाने में शिकायत की थी, मगर वहां कोई कार्रवाई न होने पर छतरपुर आकर महिला थाने में न्याय मांगने पहुंची है। महिला थाने की टीआई सुनीता बिदुआ ने बताया महिला के पति को थाने बुलाया गया, लेकिन वो नहीं आया। मामले की जांच की जा रही है।

क्षतिग्रस्त कुएँ में गिरे दो बैल, लोगों ने तत्काल निकाला

बकस्वाहा, देशबन्धु। नगर के वार्ड नंबर 10 में मोर्चा बाबा चबूतरे के पीछे स्थित एक क्षतिग्रस्त और खुले कुएँ में देर रात दो बैल लड़ते हुए गिर गए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जिन्हें लोगों ने तत्परता से बाहर निकालकर बचा लिया है। स्थानीय लोगों की सूचना पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष संजय दुबे, पत्रकार राजू दुबे सहित वार्डवासी मौके पर पहुँचे। तहसीलदार भरत पांडे के मार्गदर्शन और लकी राय की जेसीबी मशीन की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बैलों को सुरक्षित कुएँ से बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान स्थानीय प्रशासन और वार्डवासियों की एकजुटता ने बड़ा हादसा होने से रोक लिया। घटना ने नगर में खुले और क्षतिग्रस्त कुओं की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ऐसे सभी कुओं को तत्काल बंद किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इस घटना ने प्रशासन के लिए एक चेतावनी का काम किया है, और उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

एमसीबीयू की कुलगुरु के प्रोटोकॉल परिपत्र पर उठे सवाल

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो शुभा तिवारी द्वारा जारी किया गया प्रोटोकॉल परिपत्र इन दिनों चर्चा का विषय बना है।

इस परिपत्र में कहा गया है कि कुलगुरु से छात्र-छात्राएं, मीडिया प्रतिनिधि और विभागाध्यक्ष सीधे नहीं मिल सकेंगे, बल्कि पहले से एक प्रक्रिया के तहत उनसे अनुमति लेना होगी। यह आदेश सामने आने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन पर की सवाल खड़े हो रहे हैं। उल्लेखनीय है विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में 186 शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय आते हैं। जिनमें लगभग दो लाख छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। इनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न फैकल्टी में स्वयं के लगभग 15 हजार छात्र हैं, जो समय-समय पर परीक्षा, अंकसूची, परीक्षा परिणाम व अन्य प्रशासनिक समस्याओं को लेकर कुलगुरु से मिलने आते हैं।

प्राथमिक अस्पताल होने के बाद भी दर-दर भटक रही हैं गर्भवती महिलाएं

घुवारा, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र बड़ा मलहरा सिविल अस्पताल बन गया है जबकि भगवा मैं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया गया है यहां पर सारी सुविधाएं होने के बावजूद डॉक्टर नर्स स्टाफ नहीं रहता है जिसकी वजह से गर्भवती बीमार मृत बालक महिला परेशानी मैं है भगवाँ क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बार बार लापरवाही के बड़े बड़े मामला सामने आ रहे जिस पर स्वास्थ्य विभाग मेहरबान है रविवार की देर रात एक गर्भवती महिला को डिलेवरी के लिए अस्पताल लाया गया, लेकिन मौके पर कोई डॉक्टर या नर्सिंग स्टाफ मौजूद नहीं था। इससे न केवल मरीज को परेशानी हुई, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गहरे सवाल खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रमजान खान, निवासी भगवाँ, अपनी गर्भवती पत्नी मुनाफा खान को डिलेवरी के लिए रात करीब 8 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भगवाँ लेकर पहुँचे तो उन्होंने बताया कि वह अस्पताल में कई घंटों तक डॉक्टर और स्टाफ के इंतजार में परेशान होते रहे, लेकिन कोई भी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद नहीं मिला। उनकी पत्नी की तबीयत बिगड़ती जा रही थी, जिससे वे अत्यधिक तनाव और संकट की स्थिति में आ गए। तो वही रमजान खान ने मामले को लेकर प्रशासन से कार्रवाई की माँग की है। उन्होंने जिला कलेक्टर से अस्पताल की व्यवस्था सुधारने और जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मियों पर सख्त कदम उठाने की गुहार लगाई है। साथ ही स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहला मामला नहीं है। पहले भी कई बार अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों की अनुपस्थिति की शिकायतें सामने आती रही हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि भगवाँ अस्पताल में डॉक्टर नियमित रूप से उपस्थित नहीं रहते, जिससे आपातकालीन स्थिति में इलाज नहीं मिल पाता और मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है।

प्रशासन की अनदेखी से स्वास्थ्य सेवाओं पर उठते सवाल : यह घटना एक बार फिर से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को उजागर करती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जहाँ लोगों की पहली चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने का दायित्व निभाते हैं, लेकिन वहाँ स्टाफ की गैरहाजिरी आमजन के जीवन को संकट में डाल रही है। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि वह जल्द ही ठोस कदम उठाए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोके। अब देखना यह होगा की बड़ामलहरा एसडीएम इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते है

इनका कहना है

मामले पर संज्ञान लेते हुए छतरपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. आर. पी. गुप्ता ने बताया यह मामला मेरे संज्ञान में है। भगवाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक महिला डिलेवरी के लिए पहुँची थीं, लेकिन वहाँ डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ की अनुपस्थिति की सूचना मिली है। इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया है। पूरे मामले की जांच की जाएगी। जांच के उपरांत दोषी डॉक्टर और नर्स का वेतन रोका जाएगा तथा उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विनय चौरसिया पुनः बने डीसीसीए के अध्यक्ष, बैठक में लिया निर्णय

छतरपुर, देशबन्धु। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन छतरपुर की जिम्मेदारी एक बार फिर पेप्टेक ग्रुप के डायरेक्टर विनय चौरसिया को सौंपी गई है। बीते रोज पेप्टेक टाउन स्थित डीसीसीए के कार्यालय में वार्षिक साधारण सभा की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

बैठक की अध्यक्षता सागर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने की। उन्होंने पिछले कार्यकाल की सराहना करते हुए आगामी वर्ष के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इसमें खेल प्रशिक्षक राजीव बिल्थरे को डीसीसीए का सचिव बनाया है। बता दें कि पिछले कार्यकाल में विनय चौरसिया और राजीव बिल्थरे की इसी टीम की अगुवाई में डीसीसीए ने अनेक खेल

प्रतिभाओं को शानदार मंच दिलाया है।

इन्हीं के कार्यकाल में छतरपुर की बेटी क्रांति गौड़ को चैलेंजर ट्राफी इंडिया टीम, इसके बाद डब्ल्यूपीएल यूपी वॉरियर टीम के लिए भी चुना गया। क्रांति ने सीनियर वीमंस टीम की ओर से रणजी ट्रॉफी और एमपी की वीमंस टीम में जगह बनाई। इसी तरह अण्डर 22 एमपी की टीम में रिया यादव, अण्डर 15 एमपी की टीम में निष्कर्ष सक्सेना एवं अण्डर 15 एमपी कैम्प के लिए भारती का चयन हुआ।

अण्डर 13 से होकर सीनियर लेबिल तक लगभग 50 से अधिक खिलाड़ियों का डिवीजन में चयन हुआ। इसी तरह छतरपुर की टीम ने अण्डर 15, अण्डर 18, अण्डर 22 वनडे, सीनियर टी-20 में विजेता की ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की है।

सागर, सोमवार 14 अप्रैल 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

आगरा में उड़ीं संविधान की धज्जियां

शनिवार को उत्तर प्रदेश के आगरा के गढ़ीरामी गांव में राणा सांगा की जयंती के अवसर पर जिस तरह से क्षत्रिय करणी सेना ने 'रक्त स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन किया वह शक्ति प्रदर्शन तो था ही, उससे बढ़कर वह संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कार्यक्रम साबित हुआ। क्षत्रिय समुदाय के देश भर से लोग यहां एकत्र हुए थे। इसमें एक ओर तो सीधे-सीधे हथियारों का जंगी प्रदर्शन किया गया, वहीं दूसरी तरफ़ मारने-काटने की सरेआम बातें हुईं। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ वक्ताओं ने गुस्सा तो उतारा ही, उन्हें मार डालने की खुली धमकियां दी गयीं जबकि वहां पुलिस की बड़े पैमाने पर तैनाती थी। किसी अनहोनी की आशंका में प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था की थी। याद हो कि पिछले दिनों सुमन ने संसद मे एक बयान में राणा सांगा को यह कहकर 'गद्दार' करार दिया था कि बाबर को भारत में वे ही बुलाकर लाये थे। इसे लेकर क्षत्रियों में गहरी नाराज़गी है। करणी सेना के कुछ लोगों ने तो सुमन की जुबान काट लेने वाले के लिये पुरस्कार तक घोषित किया था। यदि उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी होती तो यह नौबत न आती।

सम्मेलन में देश भर से पहुंचे क्षत्रिय समुदाय के लोग तलवारें लहराते दिखे और मंच पर से उन्होंने बहुत आक्रामक भाषण दिये। इन भाषणों में आए लोगों ने रामजी लाल सुमन के खिलाफ नाराजगी जताई। एक व्यक्ति ने मंच से खुले आम कहा: 'जो राणा सांगा के खिलाफ बात करेगा, उसे 'अपने हिसाब से दंड' दिया जाएगा।' संयुक्त करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने धमकी दी कि रामजी लाल सुमन की उनके घर में घुसकर हड्डी तोड़ी जायेगी। उन्होंने साफ कहा कि, 'कभी तो उनकी सुरक्षा में चूक होगी, तब उनकी कुटाई होगी। संविधान का डर नहीं, कुटाई से डराया जा सकता है।' चम्बल की बैंडिट क्वीन फूलन देवी की हत्या में दोषी पाये गये शेर सिंह राणा भी कार्यक्रम में आए थे। उन्होंने मांग की कि सुमन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की धाराएं लगाई जायें। उन्होंने सांसद की सदस्यता रद्द कर उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। पूर्व राजपूत करणी सेना अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी, जिनकी पिछले दिनों उनके घर में घुसकर हत्या कर दी गयी थी, की पत्नी शीला भी मंच पर थीं। उन्होंने कहा- 'हमें गर्व है कि हम राणा सांगा के वंशज हैं। कोई गद्दार हमारे भगवान पर सवाल उठाता है, तो उसे देश में रहने का अधिकार नहीं है।' करणी सेना के क्षेत्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने तो और एक कदम आगे बढ़ते हुए कहा कि अब माफी से भी काम नहीं चलने वाला। करणी सेना के कार्यकर्ता कुछ भी कर सकते हैं।

वैसे भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजकों से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि करणी सेना की मांगों को वे सरकार तक पहुंचायेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात करणी सेना के लोगों हाईवे को अवरूद्ध कर दिया था। वे सुमन के निवास की ओर जाना चाहते थे। उनके इस प्रयास को पुलिस ने विफल कर दिया। कई जगह करणी सेना के लोगों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की के नज़ारे देखने को मिले।

हजारों की संख्या में हथियारों से लैस राजपूतों के इस सम्मेलन ने बता दिया कि देश की कानून-व्यवस्था किस खतरनाक स्थिति में पहुंच गयी है और सत्ता से नज़दीकियां किसी भी एक समूह को किस हद तक उच्छृंखल बना देती है। सभा स्थल को देखने से साफ था कि आयोजकों एवं उसमें शामिल लोगों के लिये न तो कानून के प्रति कोई सम्मान रह गया है, न ही प्रशासन का डर। यह (दु)साहस तभी सम्भव है जब किसी को सत्ता की शह और संरक्षण दोनों ही हो। करणी सेना का इतिहास देखें तो वह अक्सर इसी तरह से कानून को ललकारती या उसे हाथ में लेती है। याद हो कि वर्ष 2017 में 'पद्मावत' नामक फिल्म आई थी, तो राजपूतों के अपमान के नाम पर करणी सेना ने देश भर में सिनेमागृहों के बाहर और भीतर तोड़-फोड़ व आगजनी की थी। उसके निर्देशक एवं कलाकारों को तक धमकियां दी गयी थीं। करणी सेना ने आरोप लगाया था कि राजपूतों के सम्मान को कम करने के लिये यह फिल्म बनाई गई है। निर्देशक संजय लीला भंसाली को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने मारा भी था।

करणी सेना का आगरा सम्मेलन बतलाता है कि किस कदर देश को लगातार हिंसक और एक-दूसरे के प्रति नफरत के माहौल में ढाल दिया गया है। रामनवमी से लेकर र हनुमान जयंती पर निकलने वाले जुलूस यदि एक ओर मस्जिदों-मजारों के सामने हुड़दंग कर साम्प्रदायिक आधार पर बंटवारा कर रहे हैं, तो करणी सेना जैसे संगठनों के आयोजन जातीय संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं, उनके तथा केन्द्र की सरकार के संयुक्त प्रश्रय से ऐसे संगठनों के हौसले बुलन्द हैं। करणी सेना को भाजपा का समर्थक माना जाता है। भाजपा भी ऐसे तत्वों को संतुष्ट कर अपना राजनीतिक मकसद पूरा करती है। उत्तर प्रदेश की सरकार तो ध्रुवीकरण के इस खेल में माहिर है ही, सो वह इस सम्मेलन में दिये गये मार-काट के भाषणों को संज्ञान में लेकर कार्रवाई करने की बजाय मौन धारण किये हुए इसलिये बैठी है क्योंकि सुमन सबसे बड़े विरोधी दल के सांसद हैं। उनके खिलाफ बनते माहौल से मुख्यमंत्री आदित्यनाथ का खुश होना स्वाभाविक है। ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जानी चाहिये कि प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

क्या मायावती अम्बेडकर के रास्ते पर हैं ? जयंती पर उठे सवाल

14 अप्रैल सोमवार को जब अम्बेडकर जयंती मन रही होगी और मायावती भी उन्हें याद करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी को कोस रही होंगी तो पार्टी के लोगों को उनसे पूछना चाहिए कि डा. अम्बेडकर कभी संघ जनसंघ में क्यों नहीं रहे? और क्या यह सही नहीं है कि कांग्रेस ने उनको सम्मानपूर्वक संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी का अध्यक्ष बनाया? और आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता के साथ क्या खुद डाक्टर अम्बेडकर ने यह नहीं कहा कि समिति में मुझसे ज्यादा योग्य लोग थे?

मायावती की पूरी राजनीति डा. अम्बेडकर के नाम पर है। लेकिन क्या उनके विचारों के हिसाब से जरा सा भी वे प्रतिगामी ताकतों से लड़ पा रही हैं? या दलितों के उद्धार के लिए बाबा साहब अम्बेडकर जिन ताकतों से जीवन भर संघर्ष करते रहे क्या वे उन्हीं दक्षिणपंथी ताकतों को मजबूत नहीं कर रही हैं?

सवाल बहुत सारे हैं। और अम्बेडकर जयंती वह समय है जब मायवती से यह सवाल पूछे जाना चाहिए। उनकी चुप्पी या सही जवाब से बचने के लिए राहुल गांधी पर सवाल उछाल देने से कुछ नहीं होगा।

शनिवार को आगरा में जिस तरह दलितों को गालियां दी गईं, तलवारें दिखाई गईं, बंदूकें उठाई गईं वह उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था के खतम हो जाने की तो एक मिसाल है। मगर दलितों के आत्मसम्मान को तोड़ने और उन्हें वापस उसी युग में पहुंचाने की कोशिश भी है जहां से बाबा साहब अम्बेडकर उन्हें बहुत मुश्किल से निकाल कर लाए हैं। संविधान देकर। वहीं संविधान जिसका प्रारूप (लिखने, ड्राफ्टिंग) बनाने के लिए कांग्रेस ने उन्हें इसका अध्यक्ष बनाया था।

समय बहुत खराब आ गया है। लोग सोचते रहे कि यह केवल मुस्लिम के खिलाफ हैं। मगर वह उन सबके खिलाफ हैं जो उन्हें वापस मनुवादी व्यवस्था में जाने से रोक रहा है। और यहां यह सबसे मजेदार बात है कि मुस्लिम को डायरेक्ट मनुवाद से कोई मतलब नहीं है। उस पर न लागू होता है और न वह किसी तरह प्रभावित।

मतलब जो भाजपा संघ का असली उद्देश्य है मुस्लिम उसके बीच में एक बहाना भर है। मुस्लिम इसलिए कि उसका नाम लेकर डर दिखाकर दलित पिछड़े आदिवासी के वोट लेना और चार सौ पार होते ही संविधान बदल देना। आरक्षण खतम कर देना।

सामाजिक न्याय को यह भारतीय नहीं है कहकर खारिज कर देना। वर्ण व्यवस्था लागू कर देना। 2024 के चुनाव से पहले कहा ही था। भाजपा के लोगों ने ही कि चार सौ से ज्यादा सीटें संविधान बदलने के लिए चाहिए।

सोचिए अभी जब संविधान लागू है। उनके अपने शब्दों में बहुत मजबूत सरकार है। डबल इंजन भी है फिर भी एक दलित सांसद के घर को 80 हजार करनी सेना की भीड़ दिन भर घेरे रखती है। खुली तलवारें, बंदूकें लहराई जाती रही हैं। गालियां दलित से लेकर पिछड़े सब को दी जाती रही हैं।

अखिलेश यादव की बहादुरी को सलाम करना होगा उन्होंने खुल कर इसका विरोध किया। कहा कि- यह सब भाजपा के लोग थे। इनसे डरने की कोई जरूरत नहीं है। दलितों में निश्चित रूप से इससे साहस आया होगा।

शकील अख्तर

सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया।

अखिलेश किसी एक जाति समूह की बात नहीं कर रहे थे। वे दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक सबकी बात कर रहे थे।

पीडीए। बहुत अच्छा नाम रखा है उन्होंने। पी पिछड़ा, डी दलित और ए अल्पसंख्यक। अस्सी प्रतिशत से ऊपर आबादी। इसी को तलवार बंदूकें गालियां, धमकियों के जरिए डराने की कोशिश थी। मगर अखिलेश के बहादुरी भरे बयान के बाद सब जगह एक निश्चिंतता आई है।

मायावती अप्रासांगिक हो जाएंगी। अभी मौका है समझ जाएं। कल अम्बेडकर जयंती पर वही साहस दिखाएं जो बीजेपी का शासन आने से पहले था। 'चढ़ गुंडन की छाती पर' वाला। 11 साल से पहले दलित शहर की मुख्य सड़क पर यह नारा लगाता था चढ़ गुंडन की छाती पर मुहर लगाना हाथी पर।

वह केवल बंधी हुई मुट्ठी के साथ हाथ उठाता था। अभी जैसा आगरा में हुआ वैसा बंदूक, तलवार, गालियां नहीं। मगर उस खाली लहराते हाथ से गुंडे, सामंत सब डर जाते थे। अम्बेडकर की संगठित रहो शक्ति की सीख से। मायावती उसी से चार बार मुख्यमंत्री बनीं।

आज उनका एक भी लोकसभा सदस्य नहीं है। विधायक केवल एक। वह भी अपनी

व्यक्तिगत सामर्थ्य की वजह से। दलित कोई विधायक भी नहीं। है तो डायलग फिल्मी। मगर खूब बोला जाता है और इस समय तो सही भी लगता है कि 'जो डर गया समझो वह मर गया!' मायावती ने अपने समाज के हौसले को मार दिया। जब हाथरस में दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। उसे मार दिया। रात में ही पुलिस ने पैट्रोल डालकर उसकी लाश जला दी। और इन सबके बाद पीड़िता के परिवार को ही परेशान किया जाने लगा।

जैसा अभी आगरा में दलित सांसद रामजीलाल सुमन का घर घेर कर डर पैदा किया गया वैसा ही हाथरस में पीड़िता के परिवार के साथ किया गया।

मायावती नहीं गईं। राहुल, प्रियंका गए। और मायावती अपने घर में बैठकर ही राहुल और कांग्रेस को गालियां दिए जा रही हैं।

वह जो अलग-अलग तरीकों से सब कहते है कि नंबर सबका आएगा। तो वह आने लगा। पहले वे मुसलमानों के लिए आए, कुछ लोग बहुत खुश हुए। उस समय समझाया कि मुसलमान असली निशाना नहीं है। बहाना है। असली निशाना तो दलित आदिवासी पिछड़ा है। मुसलमान से क्या ले लेंगे? उनके पास क्या है ? लेना दलित आदिवासी पिछड़े से है। उसकी नौकरियां। उसके बच्चों का एडमिशन। वह कानून जो जातिगत गालियां देने से रोकता है। वह सामाजिक न्याय जो बराबरी का भाव देता है। वह स्वाभिमान जो जमीन पर नहीं साथ कुर्सी पर बिठा देता है।

लालू जी के लिए बिहार का दलित पिछड़ा यही तो कहता है। क्या दिया लालू जी ने? हिम्मत। डर खतम कर दिया। बराबरी से बैठता है। बात करता है। जितने लोकगीत लालू जी पर बने होंगे। जीते जी किसी भारतीय नेता पर नहीं। यही सब वापस लेना है।

सामाजिक स्थिति मुसलमान की उन्हें कभी परेशान नहीं करती। हमेशा से ऐसी ही थी। लेकिन बढ़ी है दलित, पिछड़े, आदिवासी की। वह बर्दाश्त नहीं होती। संघ प्रमुख भागवत ने 2015 बिहार चुनाव से पहले आरक्षण के खिलाफ बयान दिया था ना। बुमरेंग कर गया। उल्टा असर। महागठबंधन जीत गया। उस समय नीतीश भी साथ थे। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कहा कि संविधान बदलना है। फिर उल्टा पड़ गया। 240 पर बीजेपी रुक गई। इसलिए मुसलमान को आगे किया जाता है। रोज नई कहानी लाई जाती है। लेकिन बार-बार सच सामने आ जाता है।

आगरा की तलवारें, बंदूकें इस बार केवल दलित पिछड़ों तक ही सीमित नहीं रहीं। चिंता ब्राह्मणों में भी दिखी। करनी सेना जिसने भाजपा सरकार के प्रश्रय में यह तांडव किया है वह राजपूतों की सेना मानी जाती है। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण बहुत पहले से कह रहा है कि उसे भी निशाने पर लिया जा रहा है। अब दलबदल कर भाजपा में मंत्री बन गए जीतीन प्रसाद ने तो ब्राह्मणों की रक्षा के लिए एक ब्रह्म सेना ही बनाई थी। आंकड़े दिए थे कितने ब्राह्मण मार डाले।

तो नफरत और विभाजन की राजनीति से बचेगा कोई नहीं। महिलाओं के खिलाफ तो जैसे हाईकोर्टों के फैसले आ रहे हैं वैसे इससे पहले कभी नहीं आए थे। निर्भया में पूरी सरकार लड़की परिवार के साथ थी। क्या मजाल की कोई गलत बोल जाए। आज तो कोर्ट कह रहा है कि बलात्कार में लड़की भी दोषी। यह माहौल का असर है। मीडिया तो गया ही काम से। ज्यूडिशरी भी चली गई।

कोई संविधानिक संस्था नहीं बची। संविधान में डा. अम्बेडकर ने ही इन संस्थाओं को बनाया था। अब उम्मीद जनता से ही है। उसे बचना भी है और देश व संविधान बचाना भी है। अम्बेडकर से प्रेरणा लेने का कल सोमवार 14 अप्रैल को एक अच्छा मौका है। क्योंकि नेता तो बहुत हुए मगर जितना संघर्ष अम्बेडकर को करना पड़ा उतना किसी को नहीं। और इसे दलित एवं मायावती से ज्यादा कौन समझ सकता है।.

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

राजनैतिक स्वतंत्रता के साथ सामाजिक स्वतंत्रता के पक्षधर थे डॉ भीमराव अंबेडकर

■ गणेश कछवाहा

दलित सामाजिक संघर्षों के प्रणेता, भारतीय संविधान के निर्माता और लोकतंत्र के प्रबल समर्थक डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने स्वतंत्रता की वकालत तो की, लेकिन उनका मतलब केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं थी, बल्कि सामाजिक स्वतंत्रता एक प्रमुख लक्ष्य था। स्वतंत्रता के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यापक था।

उनका मानना था कि 'राष्ट्रीय स्वतंत्रता और व्यक्तिगत सामाजिक स्वतंत्रता के बीच बहुत बड़ा अंतर है। इसे समझे बिना हम सही और पूरी स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर सकते थे। भारत को अगर एक विदेशी देश की गुलामी से मुक्त किया जाए तो उसे राजनीतिक स्वतंत्रता मिलती है, लेकिन फिर भी स्वतंत्र भारत के लोग स्वतंत्र नहीं होते हैं। क्योंकि विदेशी शासकों के जाने पर राजनीतिक दासता समाप्त तो हो जाती है, परंतु उनके जाने के बाद भी उस देश के लोगों की दासता जारी रहती है, उन्हें सामाजिक स्वतंत्रता नहीं मिलती है। तो इसे हम पूरी आज़ादी या स्वतंत्रता कैसे कह सकते हैं।'

- डॉ. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर

समान अवसरों और अधिकारों से अनेकों वर्षों से वंचित रहे बहिष्कृत अछूत समाज को जब तक गुलामी के जंजीरों से मुक्त नहीं किया जाता, उनकी दासता को मिटाने में जब तक स्थापित शासन को सफलता नहीं मिलती तब तक राजनीतिक स्वतंत्रता केवल मुट्ठी भर लोगों के हितों की रक्षा करेगी, और ऐसी स्वतंत्रता का कोई मतलब नहीं है।

बाबा साहेब ने महसूस किया कि सदियों से समान अवसरों और अधिकारों से वंचित रखे गए बड़े वर्ग के लिए केवल राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने से लाभ नहीं होगा, वे राष्ट्रीय स्थापित मानकों विचारधाराओं के साथ सामंजस्य स्थापित नहीं कर पाएंगे।

डॉ. बाबा साहब अंबेडकर का सामाजिक दर्शन तीन शब्दों - स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित है। बाबा साहेब समानता के सबसे बड़े समर्थक माने जाते हैं। उन्होंने जीवन भर समानता के लिए कड़ा संघर्ष किया।

सन् 1943 में इंडियन फेडरेशन के कार्यकर्ताओं के एक शिविर में भाषण देते हुए अंबेडकर ने कहा -

'हर देश में संसदीय लोकतंत्र के प्रति बहुत असंतोष है। भारत में इस प्रश्न पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। भारत संसदीय लोकतंत्र प्राप्त करने के लिए बातचीत कर रहा है। लेकिन हमें बहुत सावधान रहने की ज़रूरत है। यह उतना बढ़िया उत्पाद नहीं है जितना दिखाई देता है।'

इसी भाषण में आगे कहा कि -

'संसदीय लोकतंत्र कभी जनता की सरकार नहीं रही, न जनता के द्वारा चलाई जाने वाली सरकार रही। कभी ऐसी भी सरकार नहीं रही जो जनता के लिए हो।'

भीमराब अंबेडकर ने 1942 के रेडियो भाषण में स्वाधीनता, समानता और भाईचारा, इन तीन सूत्रों का उद्भव फ्रांसीसी क्रांति में देखा। उन्होंने कहा 'मजदूर के लिए स्वाधीनता का अर्थ है जनता के द्वारा शासन। संसदीय लोकतंत्र का अर्थ जनता के द्वारा शासन नहीं है।'

अंबेडकर ने संसदीय लोकतंत्र की व्याख्या करते हुए लिखा-'संसदीय लोकतंत्र शासन का ऐसा रूप है जिसमें जनता का काम अपने मालिकों के लिए वोट देना और उन्हें हुकूमत करने के लिए छोड़ देना होता है।' अंबेडकर ने लोकतंत्र को मजदूरवर्ग के नजरिए से देखा और उस पर अमल करने पर भी जोर दिया।

नेतागण जिस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं वो मालिकों का जनतंत्र है। वे जिस तथाकथित लोकशाही की बार-बार दुहाई दे रहे हैं वो मालिकों की लोकशाही है। इसके विपरीत भीमराव अंबेडकर का मानना था जब तक पूंजीवाद कायम है तब तक सही मायनों में न स्वतंत्रता संभव है और न समानता। वास्तव अर्थ में समानता हासिल करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था को बदलना होगा उसके बाद ही वास्तविक अर्थ में समानता प्राप्त की जा सकती है।

इसके विपरीत नेतागण पूंजीवाद को बनाए रखकर ही नियमों में सुधार की बात कर रहे हैं।

अंबेडकर की नजर में वास्तविक स्वतंत्रता का अर्थ है सभी किस्म के विशेषाधिकारों का खात्मा। नागरिक सेवाओं से लेकर फौज तक, व्यापार से लेकर उद्योग धंधों तक सभी किस्म के विशेषाधिकारों को खत्म किया जाए। वे सारी चीजें खत्म की जाएं जिनसे असमानता पैदा होती है।

अंबेडकर की धारणा थी कि - 'लोकप्रिय हुकूमत के तामझाम के बावजूद संसदीय लोकतंत्र वास्तव में आनुवंशिक शासकवर्ग द्वारा आनुवंशिक प्रजा वर्ग पर हुकूमत है। यह स्थिति वर्णव्यवस्था से बहुत कुछ मिलती जुलती है। ऊपर से लगता है कोई भी आदमी चुना जा सकता है, मंत्री हो सकता है, शासन कर सकता है। वास्तव में शासक वर्ग एक तरह वर्ण बन जाता है। उसी में से, थोड़े से उलटफेर के साथ, शासक चुने जाते हैं। जो प्रजा वर्ग है, वह सदा शासित बना रहता है।' (संदर्भ- जगदीश्वर चतुर्वेदी, कोलकाता विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर व जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

नेतागण जिस लोकतंत्र की बात कर रहे हैं वो मालिकों का जनतंत्र है। वे जिस तथाकथित लोकशाही की बार-बार दुहाई दे रहेहैं वो मालिकों की लोकशाही है। इसके विपरीत भीमराव अंबेडकर का मानना था जब तक पूंजीवाद कायम है तब तक सही मायनों में न स्वतंत्रता संभव है और न समानता। वास्तव अर्थ में समानता हासिल करने के लिए पूंजीवादी व्यवस्था को बदलना होगा उसके बाद ही वास्तविक अर्थ में समानता प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. अंबेडकर सामाजिक समानता केलिए संघर्ष करते रहे। उन्होंने गणितीय समानता या कृत्रिम समानता को स्वीकार नहीं किया। प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताओं और क्षमताओं में एक स्वाभाविक भिन्नता होती है। बाबा साहब अंबेडकर का मानना था कि वंश, धर्म, जाति तथा सामाजिक स्थान ऐसे आधार पर भेदभाव करना समाजवादी व्यवस्था के साथ धोखा होगा।

डॉ भीमराव अंबेडकर को हमें आधुनिक मिथभंजक के रूप में देखना चाहिए। भारत और लोकतंत्र के बारे में परंपरावादियों, सनातनियों, डेमोक्रेट, ब्रिटिश बुद्धिजीवियों और शासकों आदि ने अनेक मिथों का प्रचार किया है। ये मिथ आज भी आम जनता में अपनी जड़ें जमाए हुए हैं। बाबा साहेब ने भारतीय समाज का अध्ययन करते हुए उसके बारे में एक नयी सोच पैदा की है। भारतीय समाज के अनेक विवादास्पद पहलुओं का आलोचनात्मक और मौलिक विवेचन किया है। भारत में भक्त होना आसान है समझदार होना मुश्किल है। बाबा साहेब ऐसे विचारक हैं जो शूद्रों के सामाजिक ताने-बाने को पूरी जटिलता के साथ उद्घाटित करते हैं। बाबा साहेब के भी भक्तों में एक बड़ा तबका है जो दलित चेतना और दलित विचारधारा से लैस हैं। उन्हें भक्तों के आभा मंडल से बाहर निकलकर निश्चिंतता, चेतना सम्पन्न और डॉ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारधारा से लैस होकर सामाजिक स्वतंत्रता, समानता, उत्थान, राजनैतिक और संविधानिक अधिकारों की रक्षा के संघर्षों को आगे बढ़ाना ही डॉ बाबा साहब के सपनों को साकार करना होगा। बाबा साहेब का मानना था कि - 'वह मनुष्य को मात्र मनुष्य नहीं रहने देती और आज़ाद भी नहीं। मनुष्य पूर्ण मनुष्य तभी बन सकता है जब वह अन्य से यह कहें कि समस्त प्राणी से बिना किसी स्वार्थ के पवित्र आत्मीय और प्रेम का रिश्ता बनाए।'

आपके पत्र

नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाओं में वृद्धि

नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटना सुनने पढ़ने मात्र से सिर चकरा जाता है। मन में अजीब संकल्प चलता है कि बेचारी मासूमियत का गला घोंटने से क्या मिलता होगा। देश में आज भी महिला सुरक्षित नहीं है। पग पग उसे भय सताता है। असुरक्षित जीवन से दु:खी जीवन जीने के लिए मजबूर है। छतीसगढ़ देश का वह राज्य है जहां हर पांच घन्टे में एक नाबालिग दुष्कर्म का शिकार होती है। यानी 10 में से 9 में अपने घर मो ही आरोपी है। छतीसगढ़ के दुर्ग में छह साल की बच्ची के साथ सेक्सुयल असॉल्ट किया गया। प्राइवेट पार्ट को सिगरेट से दागा और इलेक्ट्रिक शॉक देकर बच्ची को मार दिया गया। यह उन माता-पिता के लिए एक मौत से ज्यादा खतरनाक खबर है कि अपने ही कलेजे समान मासूम को दर्दनाक मौत देखकर नरपिशाचता दिल भी पिघल जाए। रायपुर बिलासपुर और दुर्ग बच्चियों के लिए ये जिले असुरक्षित हैं। इस तरह की हैवानियत पौराणिक काल के राक्षस भी नहीं करते थे। आज विचारों की हीनता इंसान को दुर्व्यवहार करने के लिए मजबूर करती है। पांच साल की एक मासूम को चॉकलेट देने के बहाने बुलाकर दुष्कर्म किया। इस तरह की घटना पड़ोसी और जान-पहचान वाले अंकल के पास बच्चे ज्यादा पहचान बनाते है। पड़ोसी उन पर भरोसा भी करते है। बिलासपुर में एक 19 साल की युवती से सौतेला पिता दुष्कर्म करता था। सौतेले पिता ने 13 साल से ही यौन उत्पीड़न करना शुरू कर दिया था। दुर्ग में दो साल पहले 3 साल की मासूम से पिता के दोस्त ने दुष्कर्म किया था। इस तरह की घटना अखबार की सुर्खियों में रहती है। हम अपने पड़ोसी पर आंख मूंदकर भरोसा कर अपना बच्चा उनके हवाले कर देते हैं लेकिन यह कतई नही करे। आज के विषैले जीवन व्यवहार से हर कोई अनभिज्ञ है। देश में इस प्रकार की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। वहीं पास पड़ोस के परिचित लोग इस तरह की घटनाओं में संलिप्त रहते है। चॉकलेट और आइसक्रीम का लालच देकर बच्चों के साथ घिनोनी कृत्य कर उनकी जिंदगी बर्बाद कर देते हैं। सबसे पहले अपने आसपास के पड़ोसियों पर हमेशा नजर रखनी होगी। बच्चा मां के आंचल से दूर नहीं होना चाहिए। इस तरह के लम्पट लोग शिकार की फिराक में रहते हैं। यूनिसेफ की चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट की मानें तो दुनिया में 37 करोड़ महिलाएं 18 वर्ष की उम्र से पहले यौन हिंसा की शिकार हुई है। 80 प्रतिशत यौन हिंसा के मामले में परिचित ही होते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में पांच साल में बच्चियों के रेप के मामले डेढ़ गुना बढ़े हैं। इसका दोष बदलते परिवेश और विकृतिपूर्ण सामाजिक दूषण का विशेष कारण रहा है। पाक्सो के 2027 मामले दर्ज हुए हैं इसमें रेप के मामले 1809 है। इस तरह से बढ़ते दुष्कर्म के मामले में पुलिस को अलर्ट रहने की जरूरत है। सड़कों पर होती हलचल पर पुलिस की सीधी निगरानी होनी ही चाहिए। रायपुर में हर साठ घण्टे में एक बच्ची से रेप की घटना सामने आ रही है। स्पेसिपिक एज ग्रुप के अनुसार 12 से 18 साल की बच्चियां अनसेफ है। देश में पाक्सो के 1 लाख 40 हजार केस पेंडिंग है। फिल्में, कमजोरी और अकेलेपन के कारण दुष्कर्म के केस बढ़ रहे है। पुलिस की इन्वेस्टिगेशन और विवेचना की कमजोरी के कारण कोर्ट में केस कमजोर पड़ जाता है। इसमें पुलिस की सक्रियता और अलर्ट के चलते रेप के केस में कमी आ सकती है।

- कांतिलाल मांडोत

ललित सुरजन की कलम से

भक्ति, शक्ति, युक्ति, विभक्ति

'यह ईश्वर में आस्था ही है जो हमें उपासना स्थलों के निर्माण के लिए प्रेरित करती है, भले ही उनमें देव प्रतिमा हो, न हो। यह निर्माण कितनी प्रक्रियाओं से गुजर कर पूरा होता है और इनमें कितने लोगों का श्रम निवेश होता है। नए निर्माण के साथ पुरानी निर्मितियों का जीर्णोद्धार भी चलता रहता है। ईंट, सीमेंट, संगमरमर, ग्रेनाइट, पत्थर, बालू, सोना, चांदी, तांबा कितनी ही वस्तुओं की आवश्यकता पड़ती है। खदानों में काम चलता है।कारखानों में माल बनता है, भराई और लदान होता है, परिवहन के साधन लगते हैं, बड़े-छोटे मालवाहकों के चक्के घूमते हैं; बिजली-टेलीफोन, पानी का इंतजाम होता है, फूलमाला, फूल, चादर, ध्वजा, पताका, पोशाक, घंटे-घड़ियाल, दीपदान, आरती, लोबान, मोमबत्ती, घी, तेल, सब कुछ की जरूरत पड़ती है। इसमें लाखों लोगों को रोजगार की प्राप्ति होती है। खदान मजदूर से लेकर ट्रक चालक तक, पंडे-पुजारी से लेकर याचक तक के जीवनयापन में इनकी महती भूमिका से भला कौन इंकार करेगा? ये जो सावन में लाखों लोग कांवड़ यात्रा पर निकल पड़ते हैं, उनसे रोजगार के अस्थायी ही सही, लेकिन कितने नए अवसर सृजित होते हैं। पकौड़ा इकॉनामी का ये अभिन्न अंग हैं।'

(देशबन्धु में 3 अक्टूबर 2019 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2019/

पावन प्रसंग

बाबा साहेब की विरासत पर सत्ता की सियासत, जयंती या सत्ता का स्वार्थी तमाशा?

देश भर में आज बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जा रही है। मंदिरों की घंटियों की तरह मंचों पर माइक बज रहे हैं, फूलों की माला और भावुक भाषणों की बाढ़ है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार मन को कुरेदता है — क्या यह श्रद्धांजलि है या सत्ता की साधना?

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। वे महार जाति से थे, जिसे अछूत समझा जाता था। सामाजिक बहिष्कार और अपमान के बीच उन्होंने शिक्षा हासिल की और कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकानॉमिक्स जैसे संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की। यह उपलब्धि अपने आप में उस समय के भारत में एक क्रांति थी।

बाबा साहेब ने सामाजिक अन्याय के खिलाफ मोर्चा खोला और 1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया — एक ऐसा धर्म जो समता, करुणा और ज्ञान की राह दिखाता है। 6 दिसंबर 1956 को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनके विचार आज भी जीवित हैं — बशर्ते उन्हें ज़िंदा रखा जाए।

उनकी जीवनी सबको मालूम है — 14 अप्रैल 1891, महू (मध्यप्रदेश) में जन्म, अछूत मानी जाने वाली महार जाति से संबंध, बचपन में भेदभाव का शिकार, लेकिन अद्वितीय प्रतिभा से दुनिया को चौंका देने वाला व्यक्तित्व। उन्होंने पूरी दुनिया से ज्ञान अर्जित कर भारत के लिए एक ऐसा संविधान लिखा जो हर नागरिक को समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देता है।

1956 में उन्होंने बौद्ध धर्म अपनाकर सामाजिक विद्रोह किया। वे जीवन भर छुआछूत, जातिवाद, असमानता और राजनीतिक उपेक्षा के खिलाफ संघर्ष करते रहे। लेकिन आज, उनके नाम पर सिर्फ भीड़ जुटाई जा रही है, विचार नहीं। राजनीतिक दलों से मेरा सीधा सवाल है — क्या आपने सामाजिक न्याय के लिए कोई ठोस कदम उठाया? जवाब स्पष्ट है- शून्य।

यदि वास्तव में आप बाबा साहेब की सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो एक वर्ष के लिए धार्मिक आयोजनों, दिखावटी अभियानों और मूर्ति अनावरणों का बजट काटिए। उस पैसे से सभी जातियों के लिए आर्थिक आधार पर न्याय की व्य

वस्था कीजिए। सत्ता में जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी सुनिश्चित कीजिए। 50त्न कमीशनखोरी बंद करिए, निजीकरण की लहर पर विराम लगाइए।

अगर आप यह कर सकें, तो यकीन मानिए — बाबा साहेब की आत्मा कहेगी, च्च्अब तुमने मेरे विचारों को सिर्फ याद नहीं किया, बल्कि जिया है ज्ज् वरना, हाथी के दिखाने और खाने के दांतों में फर्क बना रहेगा — और यह फर्क ही एक दिन लोकतंत्र को निगल जाएगा।

प्रियंका सौरभ

आगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में नही है पीने का पानी

हीरापुर की आगनवाड़ी और इदौरा स्कूल में लगे हैंडपंप की मोटर ही चुरा ले गये चोर

शाहगढ़, देशबन्धु। तीन साल पहले गांव-गांव में घर-घर पानी पहुंचाने शुरु हुई नल जल योजना धरी की धरी रह गई, जल संसाधन विभाग की उदासीनता से आगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों में आने वाले बच्चों को भी पीने का पानी मुहैया नहीं हो पाया। शाहगढ़ ब्लॉक के सभी विद्यालयों, केंद्रों में बच्चों को पीने का पानी स्व सहायता समूह अथवा शाला प्रबंधन द्वारा व्यवस्था बनाई जा रही हैं। इदौरा के प्रायमरी स्कूल और हीरापुर की आंगनबाड़ी केंद्र के बोर की रातों रात मोटर ही चोरी हो गई। बसोना, पुरा शाहगढ़, अमरमऊ, पड़रिया, ग्वाल मुंहल्ला, सानोधा, ढोंगा तारपोह और गुगरा खुर्द शाला में स्थित नल की मशीन ही खराब पड़ी हुई हैं। फटकी, कानीखेड़ी खुर्द, भीकम पुर आबाद, रजोला, गरोली, मजपुरा, चंदपुरा, छयानटोरिया, ग्वाल पुरा नरवा, कछिया खेड़ा, पड्डा, रतनपुर, महुआ खेड़ा, गड़ीपुरा, मजपुरा, नरवा, सिलापरी, रामपुर, मारुत खेड़ा, निबुआ खेड़ा, भरतपुर, जासोढा एमें बिजली कनेक्शन के अभाव में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो

पा रही। बसोना, निहानी, मगरा, तिनसुआ, लड़याखेड़ा, भीकमपुर, टपरिया, सादागिर, पड़रई, खटोरा खुर्द, दलपतपुर, रावारा, नोराज, सिलापरी, पुरा शाहगढ़ की शालाओं में लगे हैंडपंप लंबे अरसे से बंद पड़े हुये हैं। हीरापुर कि दूसरी आगनबाड़ी केंद्र बाहर हैंडपंप लगा था जिसे निकाल कर पीएचई विभाग द्वारा मोटर लगाई लेकिन रातों रात मोटर ही चोरी हो गई, यहां के लोगों ने जब जानकारी ली तो उन्हें मोटर चोरी होना बताया गया, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गीता शुक्ला ने बताया कि केंद्र के बाहर के इस बोर में पानी बहुत है हैंडपंप लगा था, करीब डेढ़ साल पहले हैंड पंप अलग करके मोटर डाली गई उसी रात वह मोटर चोरी हो गई, विभाग सहित पुलिस चौकी में सूचना दी गई तभी से बोर वैसा ही पड़ा हुआ है, गांव में डेढ़ सौ मीटर दूर सार्वजानिक स्थान पर हैंडपंप से बच्चों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। शिक्षा विभाग और महिला बाल विकास विभाग द्वारा बताया गया कि शालाओं और आगनबाड़ी केंद्रों में पहुंचने वाले बच्चों को पीने के पानी की व्यवस्था करने शाला प्रबंधन अथवा स्वा सहायता समूह के माध्यम से कराई जा रही हैं।

निबंध पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राहतगढ़, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र- छात्राओं के द्वारा निबंध, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। छात्राओं ने जल संरक्षण पर हाथों पर मेंहदी लिखकर जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक हरिराम अहिरवार के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया, जिसमें नवांकुर संस्था से विकास दीक्षित, शैतान सिंह राजपूत, नगर विकास प्रस्फुटन समिति से मोहित कोरी एवं परामर्शदाता शरद भारद्वाज, देवकीनंदन कुर्मी, राजीव कुमार नामदेव, सौरभ गोस्वामी, समीक्षा सोनी सहित बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

72 वां नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। रोटरी क्लब सागर के रोटरी कम्युनिटी कॉर्प आरसीसी द्वारा रविवार को 72 वां साप्ताहिक नि:शुल्क शतरंज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण प्रात: 8 बजे से 10 बजे तक कांची रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैप्टन दर्शन सिंह एडवोकेट रीवा ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो हमें धैर्य, रणनीति और निरंतर अभ्यास सिखाता है। मेहनत और धैर्य ही सफलता की असली कुंजी है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आरसीसी चेयरमैन अधिवक्ता वीनू शमशेर जंग बहादुर राणा, आरसीसी बहेरिया अध्यक्ष फिडे ऑर्बिटर, इंजी. अंकुर सिंह लोधी, अजय उपाध्याय, राम बहादुर शाही तथा सदस्य दीपचंद्र अहिरवार और रूपेश की उपस्थिति रही। इस सप्ताह कुल 4 बच्चों ने शतरंज प्रशिक्षण में भागीदारी की। आयोजकों ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हर रविवार प्रात: 8 से 10 बजे तक कांची रेस्टोरेंट में नि:शुल्क रूप से आयोजित किया जाता है। इच्छुक विद्यार्थी इसमें भाग लेकर शतरंज की बारीकियां सीख सकते हैं।

बगैर पंजीयन होम्योपैथी डॉक्टर कर रहे एलोपैथी का इलाज, क्लीनिक की सील

सागर, देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये बगैर पंजीयन के होम्योपैथी डॉक्टर एलोपैथी का बोर्ड लगाकर इलाज करते पाये गये जिसे तत्काल पंचनामा बनाकर क्लीनिक को सील किया गया। सीएमएचओ डॉ. ममता तिमोरे ने बताया कि कलेक्टर के द्वारा निर्देश दिये गये कि जिले में कोई भी झोलाछाप या फर्जी डॉक्टर पाया जाता है तो उस पर पुलिस कार्यवाही की जाये, इसी परिपेक्ष में रविवार को यह कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि कार्यवाही करने के लिये एक टीम बनाई गई जिसमें नोडल अधिकारी डॉ. देवेश पटेरिया, विनोद नामदेव सहित अन्य अधिकारी सदर पहुंचे जहां होम्योपैथी डॉ. इनाम खान अपनी क्लीनिक पर एलोपैथी का इलाज करते हुये पाये गये एवं एलोपैथी इलाज के बड़े-बड़े बोर्ड भी लगे पाये एवं एलोपैथी दवाइयां, इंजेक्शन भी उनके क्लीनिक में पाई गई है। क्लीनिक को तत्काल रूप से सील किया गया है और डॉ. इनाम खान से सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की निर्देश दिये हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर निकाली वाहन रैली

सागर, देशबन्धु। भारतीय संविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती की पूर्व संध्या पर अहिरवार महापंचायत के तत्वाधान में भगवानगंज चौराहे से एक विशाल वाहन रैली प्रारंभ की गई जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुये भगवानगंज चौराहे पर वाहन रैली का समापन हुआ। जिसमें प्रमुख रूप से अहिरवार महापंचायत के जिला अध्यक्ष अनिल अहिरवार, विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी, निगमध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिला प्रवक्ता रामू ठेकेदार, दीपचंद अहिरवार, जीवन पेंटर, धर्मेंद्र चौधरी, लखन अहिरवार, कमलेश अहिरवार, नरेंद्र, संदीप, हीरालाल चौधरी, राजकुमार अहिरवार, किशोरी लाल चौधरी, वीरेंद्र अहिरवार सहित बड़ी संख्या में बाबा साहब अनुयाई इस वाहन रैली में सम्मिलित हुये। आज बाबा साहब की जयंती पर एक शाम बाबा साहब के नाम आर्केस्ट्रा के माध्यम से बाबा साहब के गीतों की प्रस्तुति भगवानगंज चौराहे पर शाम 7 बजे से दी जायेगी।

नगर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान प्रकटोत्सव

रामायण पाठ किया गया। जिसमें उमाकांत दीक्षित पटवारी एवं शिवशंकर लोधी पटवारी के द्वारा पंचमुखी हनुमान मंदिर पर खीर का प्रसाद वितरण किया गया। शाम को पंचमुखी हनुमान मंदिर पर आरती की गई। फिर वही दूसरी ओर लाखों लोगों की आस्था के केंद्र लालजू घाट चित्रगुप्त मंदिर पर सुबह सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का किया गया।

देवरीकलां देशबन्धु। हनुमान प्रकटोत्सव के मौके पर तहसील मुख्यालय के पास देवी मंदिर पर राजेश पटेरिया के द्वारा देवी माताजी को छत्र अर्पित किया गया। जिसमें देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया एवं नगर के नागरिको की उपस्थिति में देवी माता को छत्र चढ़ाया गया। वही कटंगी मंदिर और लालजू घाट चित्रगुप्त मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। कटंगी में धीरेन्द्र मिश्रा एवं सहयोगी के साथ पूजन अर्चन की गई और प्रसाद वितरण किया गया तथा लालजू घाट चित्रगुप्त मंदिर में संकट मोचन मंदिर कटंगी मंदिर पर आकर्षक लाइटों से सजाया गया था तथा पंचमुखी हनुमान मंदिर पर अखंड इसके बाद हवन पूजन किया तथा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा देवरी की अध्यक्ष सरिता श्रीवास्तव ने हजारों महिलाओं के साथ में हनुमान चालीसा का पाठ किया तथा केशव कनकेन के द्वारा लालजू घाट चित्रगुप्त मंदिर में हवन पूजन के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। सरिता श्रीवास्तव ने बताया कि हजारों लोगों का जीवन त्याग, भक्ति, सेवा और अद्भुत शक्ति का प्रतीक है। वे केवल भगवान राम के भक्त नहीं, बल्कि भक्ति योग के जीवंत उदाहरण हैं। उन्होंने दिखाया कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण से असंभव भी संभव हो सकता है इस दौरान नगर के प्रत्येक मंदिर में रात्रि तक भीड़ दिखाई दी।

ई.रिक्शा पलटने से युवक हुआ घायल

बीना, देशबन्धु। ई.रिक्शा पलटने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिये सिविल अस्पताल लाया गया, जहां से उसे सागर रेफर किया है। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक नई बस्ती निवासी सुमित 20 पिता जगत सिंह अपने दोस्त के साथ ई.रिक्शा पाली गांव की तरफ जा रहा था। रास्ते में सड़क पर गिट्टी पड़ी होने के कारण रिक्शा पलट गया। इस दौरान सुमित का पैर रिक्शा के नीचे आ गया। इससे युवक के पैर में गंभीर फ्रेक्चर आया है। प्राथमिक उपचार के बाद युवक को सागर रेफर किया है।

छाये बादल, बूंदाबांदी हुई, बादलों के बीच धूप-छांव जारी

सागर, देशबन्धु। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर जिले में अचानक मौसम ने करवट बदली। रविवार सुबह से आसमान में बादल छाये, बादलों के बीच धूप-छांव का दौर जारी रहा। दोपहर के समय मौसम बदला और हवायें चली। शहर के कुछ हिस्सों में बूंदाबांदी हुई। हवायें चलने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। इस दौरान अधिकतम तापमान 38.8 और न्यूनतम पारा 23 पर पहुंच गया। मौसम बदलने से तापमान में गिरावट आई है। दरअसल वेदर सिस्टम एक्टिव होने से सागर का मौसम बदला है। शहर समेत ग्रामीण इलाकों में बादल छाये हैं। यूनिवर्सिटी-पथरिया रोड पर दोपहर के समय हल्की बारिश हुई। वहीं ग्रामीण इलाकों में भी बूंदा बांदी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार तीन सिस्टम सक्रिय होने से बादल छाने के साथ बारिश और आंधी का दौर शुरू हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रियता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल को मौसम साफ होने का अनुमान है। 16 अप्रैल से लू चलने की संभावना है।

आज भाजपा मनायेगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

बांदरी, देशबन्धु। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने नगर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति की साफ सफाई एवं साज सज्जा की। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी महेंद्र यादव जानी पाली ने बताया कि आज भाजपा मंडल बांदरी द्वारा बूथ से लेकर मंडल तक बाबा साहब अंबेडकर कि जयंती धूमधाम से मनाई जायेगी और अनेक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेगे।

धूमधाम से मनाया श्री हनुमान प्रकटोत्सव निकली भव्य शोभायात्रा

मालथौन, देशबन्धु। नगर में श्री देव हनुमान जी महाराज के प्रकटोत्सव पर धूमधाम से भक्तिमय रूप से मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। प्रभात बेला में रामधुन और ध्वजाओं के साथ प्रभातफेरी निकाली गई प्रमुख मंदिरों शिखरों पर ध्वजायें चढ़ाई गईं। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर नगर के प्रमुख मंदिरों में भक्तों का पूजा अर्चना के लिये तांता लगा रहा है सुबह से हनुमान मंदिरों में सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ और रामधुन बैठी रही है। जिसमे सैकड़ो भक्तगण शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया। नगर के प्रमुख हनुमान मंदिर पंचमुखी, किला मंदिर, हनुमान फाटक, तालाब मंदिर आदि मंदिरों पर भक्तों ने पूजा अर्चना कर चोला चढ़ाया एवं ध्वजा पताका चढ़ाये गये। अनेक स्थानों पर कथा एवं भंडारा प्रसादी का आयोजन हुये। शाम को किला मंदिर से भव्य शोभायात्रा प्रमुख मार्ग से धूमधाम से निकाली गई शोभायात्रा में जय-जय श्री राम के जयकारों का उद्घोष रहा। बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुये।

जिलाध्यक्ष का किया शाल श्रीफल से सम्मान

राहतगढ़, देशबन्धु। भाजपा जिलाध्यक्ष का राहतगढ़ नगर के युवा नेता महेश जैन के निवास पर शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर चिर परिचित अंदाज में जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी ने अपने पुराने सभी साथियों से मिले। इस अवसर पर अरविंद सिंह टिंकू राजा, अनिल श्रीवास्तव पीपरा, अंशुल परिहार, शैलेश जैन, सुभाषु नेमा, राहुल जैन, प्रशांत चौरसिया सहित भाजपा मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

उपार्जन केन्द्रों में अनियमिततायें पायें जाने पर कलेक्टर ने दिया नोटिस

सागर, देशबन्धु। सेवा सहकारी समिति बंडा अंतर्गत सौरई, भेडाखास एवं विपणन समिति सागर के द्वारा उपार्जन नीति के निर्देशानुसार खरीदी न करने के कारण कलेक्टर संदीप जीआर द्वारा खरीदी से प्रतिबंध करने, ब्लैकलिस्ट की कार्यवाही करने एफआई दर्ज करने के लिये नोटिस जारी किये गये। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये संचालित प्राथमिक साख सहकारी समिति सोरई तहसील बण्डा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति भेड़ाखास बंडा एवं मंडी गोदाम एम.2 मंडी सागर में प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमिततायें सामने आई हैं। उपार्जन केन्द्र का संयुक्त निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी बण्डा, भाखानी के गुणवत्ता नियंत्रक, उपसंचालक कृषि, शाखा प्रबंधक मप्र लाजिस्टिक्स सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि किसानों से उपार्जित किये गये गेहूं की बोरियों पर किसान कोड अंकित नहीं थे। साथ ही गेहूं की छनाई के लिये कोई यांत्रिक उपकरण का उपयोग नहीं किया जा रहा था। गेहू में मापदंडों से अधिक विजातीय तत्व पाये गये। इसके अलावा किसानों के बैठने, छाया और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव पाया गया। निरीक्षण टीम द्वारा सेंपल भी लिये गये। इन अनियमितताओं के मद्देनजर प्राथमिक साख सहयोगी समिति सोरई के प्रबंधक और केन्द्र प्रभारी, विपणन समिति सागर के समिति प्रबंधक और केन्द्र प्रभारी एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति भेड़ाखास बंडा के समिति प्रबंधक और केंद्र प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि उपार्जन नीति के उल्लंघन के लिये समिति को उपार्जन कार्य से पृथक करने, ब्लैकलिस्ट करने, पुलिस अभियोजन की कार्यवाही तथा अर्थदण्ड आरोपित करने पर विचार किया जा रहा है कलेक्टर द्वारा समिति से 3 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मानव धर्म के लिये सबसे बड़ा कर्म धर्म है: पं सत्यम शास्त्री

गौरझामर, देशबन्धु। तंतवाय परिवार में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन पं. सत्यम शास्त्री के द्वारा सुखदेव एवं परीक्षित संवाद सुनाया जब इच्छायें पूरी नहीं होती हैं, जब हम असफल हो जाते हैं तो मन अशांत हो जाता है। अशांत मन के साथ किये गये काम, पूजा पाठ का पूरा फल नहीं मिलता है। अशांति के बारे में राजा परीक्षित ने शुकदेव से पूछा था कि कलयुग में लोग इतने बेचैन क्यों रहते हैं, लोगों का मन शांत क्यों नहीं रहता है। सभी अपनी इच्छायें पूरी करना चाहते हैं। शुकदेव ने परीक्षित से कहा कि पुराने समय में ये बात भूमि देवी ने भी भगवान से कही थी। देवी भूमि ने कहा था कि बड़े-बड़े राजा मुझे जीतना चाहते हैं, जबकि ये खुद मौत के खिलौने हैं। कोई भी व्यक्ति मरने के बाद मुझे अपने साथ नहीं ले जा सकता, फिर भी मुझे पाने के लिये इतने बेचैन रहते हैं। शुकदेव ने परीक्षित को समझाया कि हम जो धन संपत्ति कमाते हैं या जो पाना चाहते हैं, सारे झगड़े उसके लिये हैं। सभी चाहते हैं कि मेरे पास सब कुछ हो, दूसरों से ज्यादा हो। जबकि ये सारी चीजें यहीं रह जायेंगी, ये बात इंसान समझ नहीं पा रहे हैं। परीक्षित ने शुकदेव जी की पूरी बात सुनी और फिर पूछा कि अशांति कैसे दूर करें, शांति पाने के लिये हमें क्या करना चाहिये। शुकदेव ने कहा कि जो लोग अपने इष्टदेव के नाम और उनके मंत्र जपते हैं, भजन, पूजा पाठ और ध्यान करते हैं, उन्हें शांति जरूर मिलती है। शांति चाहते हैं तो इच्छायें छोड़कर अपने इष्टदेव के नामों का जप करना चाहिये। मंत्र जप करने से हमारे मन में जो परिवर्तन होंगे, वे हमें शांत करेंगे।

CHANGE OF NAME

I, CRISTOPHER TIGGA IS FATHER OF ARMY NO - 4579636F RANK HAV NAME AMIT KUMAR TIGGA SERVING IN 18 MAHAR HQ COY C/O 99 APO HOME ADDRESS AT SHIV PARA, GANDHINAGAR, HOUSE NO - 52, WARD NO - 03, AMBIKAPUR, SURGUJA, CHHATTISGARH, 497001 HAVE CHANGED MY NAME FROM CRISTOPHER TIGGA TO CHRISTOPHER TIGGA IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 14/04/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR MP

जाहिर सूचना

मेरे पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है 1. संतोष तिवारी तनय श्री कन्छेदीलाल तिवारी, 2. भरत तिवारी तनय श्री संतोष तिवारी निवासीः चतुर्भुज घाट फर्श परकोटा वार्ड सागर तह. व जिला सागर मध्यप्रदेश संयुक्त स्वामित्व एवं आधिपत्य की आवासीय भूमि स्थित मौजा-तिलीमाफी, पटवारी हल्का नम्बर-63/08, रा. नि. म. सागर-1, विकास खण्ड, तहसील व जिला सागर, मध्यप्रदेश के नगर पालिक निगम सागर में तिली वार्ड क्रमांक.46 में स्थित संपति का हक्क भूमिस्वामी के खसरा नम्बर-158/1, 158/2/1/1, 158/2/1/2,158/2/2 कुल रकवा 1.092 हेक्टेयर में से रकवा 0.40 हेक्टेयर याने 1.00 एकड़ जमीन विक्रय करने का इकरार किया है एवं हक्क भूमि स्वामी खसरा नंबर-156/1/2/1/1, 156/5/1, 156/9/1, 157/2/1, 156/1/2/1/2, 156/5/2, 156/9/2, 157/2/2, 157/6/ 2 में से 0.20 हेक्टेयर याने 0.50 एकड सिंचित जमीन का क्रय करने हेतु मेरे पक्षकार ने अनुबंधित कर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है एवं निकट भविष्य में उक्त सम्पत्ति का पंजीयन कराया जाना है अतएव उक्त सम्पति को विक्रय किये जाने में जिस किसी व्यक्ति (जन साधारण) बैंक, सोसायटी, संस्था, सहकारी समिति, शासकीय/अशासकीय विभागों को कोई आपति हो या उक्त सम्पत्ति से कोई संबंध रखता हो या उक्त सम्पत्ति पर कोई लेनदारी या देनदारी हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय लिखित साक्ष्य मूल दस्तावेज के साथ प्रस्तुत करें। म्याद गुजरने के पश्चात मेरे पक्षकार उक्त वर्णित सम्पति का सम्पूर्ण भुगतान कर विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेवेंगे तथा बाद में कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

सागर दिनांक 13/04/2025

आर.के. देवलिया
अधिवक्ता
सिविल कोर्ट सागर (म.प्र.)
मोबा. 8770557114

जान से मारने की कोशिश करने वाले 3 गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। मोतीनगर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार तीन आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार 11 अप्रैल को फरियादी निशांत पिता जगतराज यादव 20 वर्ष निवासी राजीवनगर वार्ड ने थाने में शिकायत करते हुये बताया था कि मोहल्ले में रहने वाले अनिकेत रजक, नीलेश साहू, छोटू उर्फ शुभम तिवारी से पुरानी रंजिश है। शाम करीब 6.50 करीब बजे मैं भोपाल रोड मोतीनगर चौराहा के आगे कलारी के सामने खड़ा था तभी अनिकेत रजक, नीलेश साहू, छोटू उर्फ शुभम तिवारी आये। उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। जान से मारने की धमकी देने लगे। मैंने गाली देने से मना किया तो नीलेश साहू ने अपने जेब से चाकू निकाला और हमला कर दिया, चाकू हाथ की भुजा पर लगा। इसी दौरान छोटू उर्फ शुभम तिवारी ने पैर में चाकू मारा। अनिकेत ने पेट पर चाकू मारा। चाकू लगने से मैं

गंभीर घायल हुआ। आसपास के लोगों ने बीचबचाव कर मामला शांत कराया। अस्पताल में भर्ती कराया। शिकायत पर पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया, आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबिर की सूचना पर आरोपी छोटू उर्फ शुभम पिता बंसत तिवारी 24 वर्ष निवासी विवेकानंद वार्ड, अनिकेत पिता उमाशंकर रजक उम्र 21 साल निवासी राजीवनगर वार्ड और नीलेश पिता कन्हैया लाल साहू उम्र 23 साल निवासी संत कबीर वार्ड सागर को गिरफ्तार किया गया। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की। आरोपियों ने अपराध करना स्वीकार किया है। वारदात में उपयोग चाकू जब्त किये गये हैं। हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार आरोपी शुभम तिवारी, अनिकेत रजक, नीलेश साहू के खिलाफ एक-एक अपराध दर्ज हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम सागर

क्रमांक / सेंट्रल स्टोर/न.नि./2025/01 सागर दिनांक 11.04.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

नगर निगम सागर के अंतर्गत सेंट्रल स्टोर शाखा द्वारा कार्यादेश दिनांक से 01 वर्ष के लिये विभिन्न प्रकार के प्रिंटिंग कार्य करने की दरें बुलाने हेतु इच्छुक निविदाकारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण इस प्रकार हैः-

ऑनलाइन टेण्डर क्र.	समग्री का विवरण	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र की कौमत
2025_UAD_416528_1	दी गयी सूची अनुसार विभिन्न प्रकार के प्रिंटिंग कार्य की दरें आमंत्रण का कार्य	10,000/-	2000/-

1. टेण्डर डाक्यूमेंट दिनांक 12.04.2025 समय 10.30 से दिनांक 28.04.2025 समय 17.30 तक सिर्फ ऑनलाइन बेवसाइट www.mptenders.gov.in द्वारा Directorate Urban Administration and Development के अंतर्गत क्रय किये जा सकते है।
2. निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते बेवसाइट www.mptenders.gov.in पर जाकर देखी जा सकती है।
3. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर सिर्फ ऑनलाइन बेवसाइट पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।

आयुक्त
नगर पालिक निगम सागर

सार समाचार

निरीक्षक विजेंद्र चाचौदिया ने संभाला थाना लिधौरा का पदभार

लिधौरा, देशबन्धु। पूर्व नगर निरीक्षक गिरजा शंकर बाजपेई के स्थानांतरण के उपरांत नगर में थाने का चार्ज राजेंद्र सिंह ठाकुर के पास था। पुलिस अधीक्षक के द्वारा जिले में स्थान स्थानांतरण होने के बाद आज नजर थाना का प्रभार बृजेंद्र चाचोदिया ने संभाला नई नगर नीचे ने बताया कि सबसे प्रथम हमारा कर्तव्य नगर में शांति बनाए रखना एवं उपद्रवियों पर कड़ी नजर रखकर पुणे नगर एवं क्षेत्र की शांति भंग न करने के लिए प्रेरित करना रहेगा। नगर में अपराधों को कम करने के लिए चाक चौबंद गस्त व्यवस्था की जाएगी एवं फरार आरोपियों को पकड़ने की प्राथमिकता रहेगी।

घर से पुश्तैनी ज़ेबरात चोरी, पुलिस ने रिपोर्ट तो नहीं लिखी उल्टा शिकायतकर्ता को थाने से भगा दिया

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की पुलिस अजब है उसकी कार्यशैली और भी गजब है। यहां एक परिवार के घर से उसके पुस्तैनी जेबरात चोरी हो जाते हैं, लेकिन पुलिस रिपोर्ट न लिखकर पीड़ित को ही थाने से भगा देती है। दअरसल मामला जतारा थाने से जुड़ा है जहां रचना वंशकार पत्नि अरविन्द्र वंशकार वार्ड नं 14 न्यू कोर्ट कॉलोनी जतारा के निवास से 10 अप्रैल को जब अपने गांव ग्राम कुंवरपुरा गई थी। तभी अज्ञात चोरों ने घर को सुना पाकर घर का ताला तोड़ दिया। और अलमारी सहित सूटकेस में रखें पुस्तेनी सामान विछुआ 500 ग्राम पाव भर की दों, जोडी बडी पायले पाव भर की हाफ पेटी लटकदार, दो मंगलसूत्र, एवं एक छोटा मंगलसूत्र वाला एक बडा और मंगलसूत्र 10 मोती नौरत्नी फ्लकदार, मंगलसूत्र एवं एकछोटा मंगलसूत्र फ्लक वाला सोने की झुमकी नथ, अंगूठी, सोने कीदो, कान की वाली सोने की एक चांदी की चौन सहित 60 हजार नगदी पर हाथ साफ कर दिया।11 अप्रैल को पडोसी राहुल बंशकार का फोन पीड़िता के पास आया कि घर के दरवाजे खुले हुये है और ताले टूटे पड़े है तो पीड़िता ने घर आकर देखा की घर का पूरा सामान इधर उधर बिखरा हुआ है। साथ ही अलमारी का सामान बिखरा पडा है। जब रचना बंशकार अपनी फरियाद लेकर जतारा थाने पहुंची तो पुलिस ने पूरा मामला फर्जी बताकर भगा दिया। अब पीड़ित परिवार ने एसपी मनोहर सिंह मंडलोई से गुहार लगाई है।

चार पहिया वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, दो लोग गंभीर रूप से घायल

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वर्माताल के पास तेज रफ्तार फोर व्हीलर वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों का उपचार टीकमगढ़ व झांसी अस्पताल में हुआ। रिपोर्ट पर पुलिस ने चार पहिया वाहन के चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया है कि 25 मार्च की शाम 6 बजे टीकमगढ़-झांसी हाईवे सड़क पर ग्राम वर्माताल के ढाबा के पास बाइक से पीड़ित सुरेंद्र अहिरवार व प्रकाश अहिरवार निवासी उत्तरी कारी अपनी रिश्तेदारी में लिधौरा जा रहे थे। तभी बर्माताल के पास तेज रफ़्तार चार पहिया वाहन के चालक धर्मेंद्र सिंह घोष निवासी बिलगाएँ ने वाहन को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए से बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों का टीकमगढ़ व झांसी अस्पताल में उपचार किया गया। इसके बाद पीड़ितों की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी चालक धर्मेंद्र घोष के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने जुआ खेलते हुए आधा दर्जन जुआरियों को पकड़ा

टीकमगढ़ ,देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा अवैध जुआ, सट्टा पर कार्यवाही करने के लिए सभी थाना व चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। थाना देहात प्रभारी उप निरीक्षक अमित साहू के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर बाबरी गांव के पास छापामार कार्यवाही कर जुआ खेल रहे 6 जुआरी विनोद अहिरवार, भगीरथ अहिरवार, सुबोध अहिरवार निवासी दुनातर,आविद खान, फारूख खान, एहसान खान निवासी हीरानगर को पकड़ा है। पुलिस टीम ने मौके से 52 तांश के पत्ते सहित 4000 रुपये जप्त कर सभी जुआरियों के खिलाफ जुआ एक्ट का मामला दर्ज किया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अमित साहू, एएसआई रेवाराम सिंह, सतीश शर्मा, मनोज अहिरवार, मनोज नायक सहित थाना देहात स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईपीएल क्रिकेट पर ऑनलाईन सट्टा लगाते 3 आरोपी को किया गिरफ्तार

टीकमगढ़,देशबन्धु। कोतवाली निरीक्षक पंकज शर्मा की पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना पर पुराना बस स्टैंड पर 03 व्यक्तियों को आईपीएल पर ऑनलाइन सट्टा खेलते पाए गए जिन से 03 मोबाइल कीमती लगभग 72000 के जप्त कर थाना कोतवाली में आरोपियों के विरुद्ध धारा 4(क) म.प्र. गैंबलिंग एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की गई। पुलिस ने समी पिता असलम खान उम्र 28 साल निवासी मस्जिद के सामने मोहनगढ़, सादिक पिता सकिल खान उम्र 30 साल निवासी ग्रामीण बैंक के सामने मोहनगढ़, भूपेंद्र पिता हजारी सिंह परिहार उम्र 26 साल निवासी ग्रामीण बैंक के सामने मोहनगढ़ को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक पंकज शर्मा,प्रधान आरक्षक महीपत श्रीवास्तव, आरक्षक रितेश मिश्रा, अनिल पचौरी, भुवनेश्वर अग्निहोत्री सहित थाना कोतवाली स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने भेजी थी एसडीएम को जांच रिपोर्ट

8 साल बाद भी सेल्समैन पर नहीं हुई एफआईआर

मामला : प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति गुना की ग्राम पंचायत देवपुर कामामला : प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति गुना की ग्राम पंचायत देवपुर का

टीकमगढ़, देशबन्धु। बल्देवगढ़ अनुविभागीय कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2018 तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी वंदना राजपूत से लेकर रह चुके छ: जिम्मेवार अधिकारियों के तबादले होने के बाद भी एक बड़ी लापरवाही सामने निकलकर आ रही है कि बल्देवगढ़ में पदस्थ रही चुकी तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सपना सेन राशन घोटाले की मामले की जांच रिपोर्ट 8 साल पहले एसडीएम अनुभाग कार्यालय बल्देवगढ़ को सौंपने के बाद भी सेल्समैन पर एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई।

गौरतलब है, कि गुना प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान देवपुर में तत्कालीन सेल्समैन छिमाधर यादव द्वारा अगस्त 2018 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बांटे जाने वाला खाद्यान्न 78 क्विंटल 37 किलो गेहूं, 21 क्विंटल 83 किलो चावल का राशन के गबन कर लिया है। जिसमें देवपुर ग्राम पंचायत गांव के वनपुरा सांपोंन के राशन कार्डधारियों ने एसडीएम बल्देवगढ़ से शिकायत की गई थी।

जिसकी जांच रिपोर्ट तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सपना सेन ने राशन घोटाले की जांच रिपोर्ट तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी वंदना राजपूत के कार्यकाल के दौरान सेल्समेन छिमाधर यादव पर 8 साल बीतने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने राशन घोटाले की जांच रिपोर्ट के मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।

इनका कहना है

– यह जानकारी मेरे संज्ञान में आई है, बल्देवगढ़ एसडीएम से बोलकर इस मामले की जांच करवाता हूं। इस तरह का भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हनुमान जयंती पर जगह-जगह हुए भंडारे

धूमधाम से निकली श्री चौपरा सरकार की शोभायात्रा

खरगापुर, देशबन्धु । नगर में हनुमान जयंती पर भव्य शोभायात्रा की झांकी निकाली गई। नगर के श्री चौपरा सरकार से श्री हनुमान जयंती महोत्सव पर भव्य शोभायात्रा झांकी का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी किया गया। प्रात: काल से ही हजारों धर्म श्रद्धालुओं ने श्री चौपरा सरकार के दर्शन कर मन्नतें मांगी।

नगर के श्री चौपरा सरकार हनुमान मंदिर पर सुबह 5 बजे अभिषेक एवं फूलों के साथ श्रृंगार महाआरती मारुति नंदन यज्ञ का आयोजन किया। भगवान की शोभायात्रा में ढोल बाजे बैंड, श्रीराम अखाड़ा खरगापुर के साथ महिला श्रद्धालु एवं भक्तों ने आदि के साथ श्री चौपरा सरकार मंदिर से पुराना बाजार, राय चौक, बस स्टैंड, हनुमान मंदिर चौराहा शोभायात्रा निकाली गई। यहां लगभग 5 हजार लोगों को प्रसादी बांटी गई। सुबह से ही मंदिर में भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था। इसी प्रकार श्री चौपरा सरकार से बस स्टैण्ड के डिवाडर पर वहीं हरिदास मंदिर चौराहा पर साज सज्जा की गई, तथा नगर के जगह-जगह पर खीर पुड़ी, खिचड़ी, दही, मठा, फल वितरित अन्य भंडारे का आयोजन जगह-जगह किया गया।

भूमाफियों के सामने राजस्व विभाग के जिम्मेवार अधिकारी हुए नत मस्तक

खरगापुर में भूमाफिया उड़ा रहे हाईकोर्ट के आदेश की धज्जियां

खरगापुर, देशबन्धु । प्रदेश सरकार भले ही सरकारी जमीनों पर बुलडोजर की कार्रवाई कर भूमाफियाओं के चंगुल से छुड़ाने का काम कर रही हो, लेकिन खरगापुर मे अवैध निर्माण कराने के मामले की खबर को प्रमुखता से दिखाने के वावजूद भी जिम्मेवार अधिकारियों की मौजूदगी में माफियाओं को खुला संरक्षण मिल रहा है।

खरगापुर में स्थित वार्ड क्रमांक 2 में शुक्रवार को नवागत तहसीलदार ने गोविंद सिंह ठाकुर ने पुलिस बल के साथ प्राचीन हनुमान मंदिर के सामने अवैध अतिक्रमण हटाने की भले ही कार्रवाई की हो लेकिन अतिक्रमण के मामले की जानकारी पदस्थ रह चुके तहसीलदार से लेकर बल्देवगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी को अवैध निर्माण करने की जानकारी होने के वावजूद भी अवैध कब्जाधारियों पर कार्रवाई और ना ही रेन बसेरा के शौचालय के टैंक पर निर्मित भवन को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं होने पर अवैध कब्जाधारी के हौसले बुलंद है।

गौरतलब है कि खरगापुर की बेशकीमती सरकारी भूमि से अवैध निर्माण हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। नगर खरगापुर के वार्ड नंबर 6 ख़मना बाबा की टोरिया पर दबंगो द्वारा करोड़ों रूपयों की बेशकीमती सरकारी भूमि का खसरा नंबर 947/1 रकवा 2.582 हैक्टेयर पर लाखों की लगात से निर्मित सरकारी रेन बसेरा का शौचालय का टैंक को तोड़कर दबंगों ने अवैध कब्जा कर दुकान और भवन का निर्माण धड़ल्ले कर रहे है।

वहीं इस मामले में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दबंग व्यक्तियों द्वारा किसी प्रभावशाली व्यक्ति और अधिकारियों के इसारो पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा किया जा रहा हैं। जिसके चलते नगर इन दिनों सरकारी भूमियों पर अवैध कब्जा करना एक आम बात हो गई कि भूमाफियाओं को शासन प्रशासन का खौफ बेअसर साबित हो रहा है। किन्तु नगर परिषद खरगापुर में राजस्व विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते सरकारी जमीन पर दबंग भूमाफिया कब्जा करना अब आम हो गया है।

इस सम्बंध में बल्देवगढ़ अनुविभागीय अधिकारी भारती ने बताया यह मामला हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर है। अवैध कब्जाधारियों शौचालय टैक पर निर्माण कर रखा है तहसीलदार और सीएमओ से अतिक्रमण हटाने की जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी

हनुमान जी की शोभा यात्रा में उमड़े श्रद्धालु, नगर हुआ भगवामय

बल्देवगढ़, देशबन्धु । हनुमान जन्मोत्सव पर बल्देवगढ़ नगर में भगवामय में हो गया। पूरे नगर में लगे भगवा झंडो लोगों का मन मोह लिया। बलदाऊ जी की नगरी बल्देवगढ़ में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ संकट मोचन हनुमान जन्म उत्सव मनाया गया है। इस उत्सव में हिंदू उत्सव समिति बल्देवगढ़ के द्वारा नगर के मंदिरों एवं खासकर किला बस स्टैंड सहित पूरे नगर मुख्य मार्ग को रंग-बिरंगी रोशनी लाइटिंग से जगमगाया है। साथ ही नगर के सभी मार्ग को भगवा रंग के झंडो से आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन सुबह से शाम तक नगर में पूरे धूम देखने को मिली सुबह से ही मोटरसाइकिल पर भगवा झंडो के और डीजो के साथ रैली निकाली गई। फिर दोपहर से पूरे नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में नगर सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों से लाखों की संख्या में भक्त शामिल हुए। शोभायात्रा का नगरवासियों ने जगह-जगह भव्य स्वागत किया। लोगों द्वारा कई स्थानों पर स्वागत द्वार लगाकर भक्तों को हलवा,पूडी, सब्जी पूड़ी, रसगुल्ला, लस्सी, एवं शीतल पेय जल पिलाकर स्वागत किया। इस दौरान शोभा यात्रा पर पूरे नगर में पर जगह जगह लोगों ने पुष्पवर्षा भी की गई हैं।

शोभायात्रा को शाम 4 30 बजे शीतल माता मंदिर प्रांगण से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में डीजे, ढोल,घुड़ बग्गी, एवं बैंडबाजों सहित रामदरबार, वीरहनुमान, राधाकृष्ण, मां दुर्गा व भारत माता सहित सभी भगवान की झांकी रही। शोभायात्रा में बजरंग अखाड़े बल्देवगढ़ की बेटियों ने लाठी-बनेठी, पटा-चकरी, तलवार-मुगदर चलाकर यात्रा में करतब दिखाया। तो वही बजरंग अखाड़ा के युवाओं के मुंह से निकलने वाले आग के गोले आकर्षण का केंद्र रहा है। इस बीच भक्तों ने भी डीजे पर जमकर ठुमके लगाते हुए नाच किया। साथ ही हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ता के साथ भक्तों ने भगवा साफा पहने हुए। जय श्रीराम के जय कारे लगाते हुए शोभायात्रा में साथ पैदल चलते रहे। शोभायात्रा शीतल माता मंदिर से कैलपुरा तिगैला, बम्होरी तिगैला एवं मुख्य बाजार से होते हुए बस स्टैंड पहुंची। जहां पर शोभायात्रा का समापन किया गया। समापन के साथ ही बस स्टैंड किला प्रांगण में सुंदरकांड के पाठ के बाद 11 बंदूकों की सलामी के बाद भगवान हनुमान जी की दिव्य महा आरती की गई। इसके बाद मदनबेर के हनुमान जी मंदिर में शोभायात्रा में शामिल हुए भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इसी दौरान बाहर से आए भजन गायको द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी भजनों को सुनते ही भक्त भी झूम उठे।

हनुमान जन्मोत्सव की शोभायात्रा में एसडीएम भारती देवी मिश्रा तहसीलदार अवंतिका तिवारी सहित प्रशासनिक अमले के साथ साथ पुलिस महकमा भी अलर्ट रहा। और बल्देवगढ़ थाना प्रभारी मनोज सोनी की पुलिस की चप्पे-चप्पे पर नजर रही। पुलिस ने गुरुवार को ही नगर से गुजरने वाले वाहनों का रूट डायवर्ट किया था। उसी के अनुसार नगर से गुजरने वाले वाहनों को डाइवर्ट कर अलग-अलग रास्तों से भेजा गया। सभी मुख्य रोड पर पुलिस के जवान मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में किया गया भंडारा

हनुमान जन्म उत्सव में शामिल होने आए भक्तों को बस स्टैंड पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में भंडारा किया गया। सुबह से सुंदरकांड का पाठ किया सुंदरकांड के बाद भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। और भंडारा चला रहा। हनुमान भक्त घनश्याम चौरसिया ने बताया कि हिंदू उत्सव समिति के द्वारा विगत 1 माह पहले से लगातार हनुमान जन्मोत्सव की तैयारियां की जाती है। सुबह से बस स्टैंड पर स्थित हनुमान जी मंदिर सरस्वती शिशु मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके बाद पूरे नगर में सुबह से ही मोटरसाइकिल पर भगवा झंडा बांधकर डीजे के साथ रेली निकल गई। शाम को मुख्य भव्य शोभायात्रा निकाली जिसका का समापन बस स्टैंड पर किया गया वहां पर हनुमान जी महाराज की दिव्य महा आरती की गई है। उन्होंने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा में लाखों भक्त शामिल हुए। बल्देवगढ़ की शोभायात्रा पूरे बुंदेलखंड में प्रसिद्ध है।

शनिवार को नगर के सभी हनुमान जी के मंदिरों सहित ग्रामीण क्षेत्र के हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भक्तों द्वारा मंदिर पहुंचकर भगवान हनुमान की अलग अलग विधि विधान और परंपराओं के अनुसार पूजा अर्चना की गई। तो क्षेत्र के मंदिरों में भगवान हनुमान को चोला चढ़ा कर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया तो कई मंदिरों में हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड हवन पूजन के बाद भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया है।

मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा किया गया शोभायात्रा का स्वागत नगर में हनुमान जन्मोत्सव की उपलक्ष में निकाली जा रही शोभा यात्रा का मुस्लिम समाज के लोगों ने भी कई जगह स्वागत किया मुख्य बाजार में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा स्वागत द्वार लगाकर राम भक्तों को पानी एवं मिठाई बताकर स्वागत किया और पुष्प वर्षा की गई।

युवक की सोते समय गोली मारकर हत्या, मचा हड़कम्प

जतारा, देशबन्धु। बीते रोज जब सभी लोग हनुमान जयंती के त्योहार मनाने में लगे हुए थे, उसी रात जतारा थाना क्षेत्र के उदयपुरा गांव में एक युवक की हत्या से हड़कम्प मच गया। बताया गया कि मृतक तुलाराम प्रजापति, गांव में ही एक चबूतरे पर सो रहा था, तभी रात में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर तुलाराम की हत्या करने का आरोप लगाया है। मौके पर जतारा एसडीओपी अभिषेक गौतम पुलिस टीम सहित पहुचकर मामले की बारीकी से जांच में जुट गए है। घटना से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है, हालांकि पुलिस ने कुछ लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। बताया गया कि मृतक तुलाराम प्रजापति गांव के ही एक मकान के सामने बने चबूतरे पर सो गया था। रात में किसी ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के भाई वृन्दावन प्रजापति ने पुलिस को बताया कि अभी कुछ दिन पहले उसके भाई का गांव के ही कुछ लोगों से विवाद भी हुआ था, उसने और भी जानकारियां पुलिस को दी है। फ्लिहाल नए थाना प्रभारी रवि भूषण पाठक इस हत्याकांड की जांच में जुट गए हैं। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा कर सकती है।

फैंसिंग हटाने से मना किया, तो पीड़ित की दो लोगों ने की लाठी डंडे से मारपीट

टीकमगढ़,देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मऊबुजुर्ग में पीड़ित व्यक्ति ने खेत में लगी तार की फेंसिंग हटाने से मना किया, तो गांव के दो लोगों ने उसके साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दिगौड़ा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित पूरन घोष निवासी मऊबुजुर्ग अपने बेड़ा में थे, तभी गांव के बाबूलाल व गनेश अहिरवार खेत में लगी तार की फेंसिंग हटाने लगे। पीड़ित ने फेंसिंग हटाने से मना किया, तो बाबूलाल व गनेश अहिरवार ने पीड़ित पूरन घोष की लाठी डंडे से मारपीट कर दी। इस घटना में पीड़ित को चोट आ गई। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने उपचार कराकर दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया।

जिले की ऐतिहासिक धरोहरों व बुंदेली व्यंजन- संस्कृति का सोशल मीडिया पर होगा प्रमोशन

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले की ऐतिहासिक धरोहरों सहित बुंदेली व्यंजन, बुंदेली संस्कृति का प्रमोशन सोशल मीडिया क्रिएटर करेंगे। इसकी पूरी कार्ययोजना टीकमगढ़ कलेक्टर ने बना ली है। रविवार को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने सर्किट हाउस में युवा सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर से ऐतिहासिक पुरातत्व, पर्यटन और संस्कृति के सम्बंध में अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिले की ऐतिहासिक धरोहरो, बुंदेली संस्कृति, बुंदेली व्यंजनों के बारे में आप सभी गहन जानकारी जुटाकर कंटेंट बनाये और हैशटैग टीकमगढ़, टीकमगढ़ हेरिटेज, सोल ऑफ़ बुंदेलखंड, हेरिटेज टीकमगढ़ के साथ ब्रांडिंग करने का सुझाव दिया। कलेक्टर श्री श्रोत्रिय ने अपने अनुभव युवाओं के साथ साझा करते हुए कहा कि आज का समय सोशल मीडिया का समय है। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार को आसानी से किया जा सकता है। साथ ही प्रत्येक जानकारी कहानी और कंटेंट के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाई जा सकती है। ऐतिहासिक धरोहरें यहां की बुंदेली संस्कृति अनुपम प्रतिरूप है। जिसे आज के आधुनिकता के इस दौर में सहेजना अतिआवश्यक है, ताकि जिले छिपी हुई पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को उजागर कर उनको विकसित किया जा सकें। इन सम्भावनाओं को सोशल मीडिया और कंटेंट के माध्यम से समाज के समक्ष प्रस्तुत कर जन जागृति लाई जा सकें। श्री श्रोत्रिय ने क्रिएटर्स से कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डिजिटली अपने जिले की पहचान रखने में उनका बहुत योगदान रहता है। उनसे आपेक्षित है कि वह बुंदेली संस्कृति को अपनी ताकत बनाए और क्षेत्रीय व प्राकृतिक सुंदरता को अपने विचारों में शामिल करें।

इस अवसर पर एसीईओ राजेंद्र पस्तोर, तहसीलदार अरविंद यादव, जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन मनीष जैन, ई-गवर्नेंस से अनुपम दीक्षित, जनसंपर्क विभाग की टीम व टीकमगढ़ शहर के जाने माने युवा सोशल मीडिया कंटेंट क्रिएटर उपस्थित रहे।

तालकोठी को संवारने का खाका तैयार

बीते दिनों पूर्व डॉक्टर शिवकांत बाजपेयी सुपरिटेंडिंग आर्कियोलॉजिस्ट जबलपुर, दिनेश कुमार वर्मा, रिटायर्ट सुपरिटेंडिंग आर्कियोलॉजिस्ट कैमिस्ट, कमलेश वर्मा आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफइंडिया (एएसआई) जबलपुर के साथ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने शहर के महेन्द्र सागर तालाब के समीप स्थित ऐतिहासिक भवन तालकोठी पहुंचे थे। जहां इन अधिकारियों ने तालकोठी के हर हिस्से का जायजा लिया था। इसके साथ ही इस इमारत की छत पर पहुंचकर फोटोग्राफ भी तैयार किए थे। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने विशेषज्ञों को इस इमारत के इतिहास से अवगत कराया। इमारत सहित इलाके के विकास को लेकर विस्तार से प्लान तैयार किया गया था। इस दौरान विशेषज्ञों ने कलेक्टर को बताया कि हम इस इमारत में क्या बदलावकर सकते हैं।

जय श्री राम जय हनुमान की उद्घोष से गूंजा नगर, बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालु

जतारा ,देशबन्धु। शनिवार को राम भक्त हनुमान का जन्मोत्सव नगर में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। एक भव्य शोभायात्रा निकाल गई। नगर के हनुमान मंदिरों में सुबह से ही जन्मोत्सव को लेकर हनुमान महाराज का अभिषेक किया गया। जगह-जगह सुंदरकांड पाठ हनुमान चालीसा के साथ मंदिरों में लोगों का दर्शन के लिए भीड़ देखी गई। हनुमान जन्मोत्सव पर हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में एक भव्य शोभायात्रा निकल गई, जो आखिरी शिला हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में घोड़े पर सवार धर्मध्वजा लिए चल रहे थे। बच्चा अखाड़ा एवं बजरंग अखाड़ा के कलाकारों द्वारा अपनी हैरत अंग्रेज कल का प्रदर्शन किया गया, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा भगवान भोलेनाथ की झांकी, राम लक्ष्मण जानकी हनुमान की झांकी सभी का मनमोह रही थी। डीजे के रीमिक्स भजनों पर हनुमान भक्त जमकर थिरकते रहे। शोभायात्रा में हनुमानजी की जगह-जगह तिलक कर आरती उतारी गई। शोभायात्रा में चारों ओर से जय श्रीरम जय हनुमान के उद्घोष से नगर गूंजायमान हो रहा था। शोभायात्रा मेंनमार्केट बस स्टैंड होते हए हनुमान बाग मंदिर पहुंची जहां महा आरती के सथ शोभा यात्रा का समापन किया गया। हनुमान मंदिर पर विशाल भडारा आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

2 माऊजर, 1 12 बोर कट्टा, कारतूस, चाकू एवं कट्टा और कारतूस बनाने की सामग्री की जप्त

देहात थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हथियारों के साथ 6 आरोपी गिरफ्तार

दमोह देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक एवं अति. पुलिस अधीक्षक के द्वारा आरोपियों की धरपकड़ एवं अवैध हथियार पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है इसी क्रम में नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन में दिनांक 13.04.2025 को मुखबिर की प्राप्त सूचना पर न्यू ब्रिज के नीचे पप्पू पटेल के घर के पास सागर नाका पर आरोपी राजा उर्फबल्लम पिता स्व कडोरी अहिरवाल उम्र 19 वर्ष निवासी खजरी मोहल्ला सिविल वार्ड नं 10 दमोह, 2. रामसींग बिड़ला पिता कालूराम बाल्मिकी उम्र 19 वर्ष निवासी चौनपुरा बजरिया वार्ड नं 6 दमोह, 3. संदीप उर्फसुदामा पिता स्व रामदास पटैल उम्र 36 साल निवासी मुश्कीबाबा मागंज वार्ड नं 4 दमोह, 4. पवन पिता हरप्रसाद अहिरवाल उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम हिरदेपुर थाना दमोह देहात, 5. सोनू उर्फसोमनाथ पिता श्री शेखर राठौर उम्र 19 साल निवासी ग्राम खिरिया (मडला) थाना दमोह देहात, 6. शशांक उर्फमनू पिता रामेश्वर शुक्ला उम्र 19 साल निवासी इन्द्रा कालोनी दमोह से दो नग माउजर, कारतूस कीमती करीबन 30000 रूपये,. एक नग 12 बोर का कट्टा कारतूस कीमती करीबन 5000 रूपये,. एक नग लोहे का खंजर चाकू कीमती करीबन 500 रूपये,. एक नग 315 बोर का अधवना कट्टा कीमती करीबन 5000 रूपये,. नगद 4000 रूपया,. कट्टा कारतूश बनाने की सामग्री तथा खाली कारतूस के खोके कीमती करीबन 6000 रूपये, कुल मशरूका कीमती करीबन 50500 रूपये जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं उक्त आरोपियों के विरूद्ध थाना दमोह देहात में अप.क्र. 261/25 धारा 25/27,25 (1) (`) आर्म्स एक्ट, 111 बी.एन.एस. पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी दमोह देहात निरीक्षक रचना मिश्रा, चौकी प्रभारी सागरनाका सउनि रमाशंकर मिश्रा, सउनि अकरम खान, प्र.आर. 144 संजय पाठक, प्र.आर. 840 आलोक, प्र. आर. 765 कामता, आर. 843 गौरव, आर. 352 नितिन राज, आर 368 शोएब मिर्जा, आर. 231 दीपेश थाना दमोह देहात, प्रआर. महेश यादव, आर. 589 देवेन्द्र, र.के. प्रआर. राकेश अट्या, प्रआर. सौरभ टंडन साईवर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

3 रेत से भरे डंपर और 2 बोरवेल मशीन की जप्त

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। रविवार को खनिज विभाग द्वारा बिना रॉयल्टी रेत भरकर कर रहे तीन डंपरों को जप्त कर पुलिस अभि रक्षा में थाना तेंदूखेड़ा में खड़ा करवाया गया है। इसी तरह दमोह कलेक्टर के सख्त निर्देश के बाबजूद गर्मी के मौसम में बिना अनुमति बोर कर रही दो बोर वेल मशीन को एसडीएम सौरभ गंधर्व और तहसीलदार डॉक्टर विवेक व्यास ने जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में थाने में रखवाया।

इनका कहना है

तीन रेत से भरे डंपर और दो बोर वेल मशीन खनिज विभाग और राजस्व विभाग द्वारा पुलिस अभिरक्षा में खड़े करवाए है।

नितेश जैन थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दंपति को मारी टक्कर, युवक की मौत

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। एक दंपति मोटर साइकिल से दवाई लेने पाटन गई थी दवाई लेने के बाद वापस अपने ग्राम जुझार वापिस जा रहे थे तभी तेंदूखेड़ा से करीब 15 किलोमीटर दूर मोटर साइकिल सवार दंपति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर भाग गया। प्राप्त जानकारी अनुसार युवक प्रतीक असाटी पिता मुन्ना असाटी को गिरने पर चोट इतनी गहरी लगी कि युवक को सामुदायिक केंद्र पहुंचने के पहले ही मौत हो गई।वही पत्नी को मामूली चोट आई है । तेजगढ़ पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: दीवानजी की तलैया में किया श्रमदान

दमोह देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत जिला प्रशासन दमोह के मार्गदर्शन में नगर के विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से प्राचीन एवं ऐतिहासिक दीवान जी की तलैया में गहरीकरण एवं सफाई हेतु एक विशेष श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 42 वें साप्ताहिक स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आयोजित इस श्रमदान कार्यक्रम में नगर के विभिन्न सामाजिक, व्यापारिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों तथा जागरूक नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। यह कार्यक्रम स्वच्छता, जल संरक्षण और जनसहभागिता के अद्भुत समन्वय का उदाहरण बना, जो नगरवासियों को प्रेरणा देने वाला कदम सिद्ध हुआ। श्रमदान में सभी का सहयोग के लिए कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आभार व्यक्त करते हुए कहा आगे भी ऐसा सहयोग मिलता रहे।

श्रमदान में सम्मिलित प्रमुख संस्थाएं: महाराष्ट्र समाज दमोह, असाटी समाज दमोह, गायत्री परिवार, विश्व हिंदू परिषद, पतंजलि योग समिति, निरंकारी मिशन, प्रयास पर्यावरण संस्था, श्रीराम मंदिर सेवा समिति, शिवाजी पार्क समिति, चौरसिया युवा मंडल, महाराजा छत्रसाल समिति, मध्य प्रदेश शिक्षक संघ, गुरु पूर्णिमा उत्थान समिति, निर्झर प्रयास, छात्र सर्व कल्याण समिति, जिला योग समिति, अनहत कला केंद्र, मिशन जन जागृति आदि संस्थाओं के सदस्यों ने स्वेच्छा से श्रमदान में भाग लिया। इस अवसर पर एसडीएम दमोह सहित विभिन्न समाजिक एवं स्वंयसेवी संगठनों के पदाधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, सम्मानीय मीडियाजन, वार्डवासी मौजूद रहे।

श्रद्धा पूर्वक मनाई बैसाखी, कीर्तन दरबार को सजाया

दमोह देशबन्धु। गुरुदारा सिंह सभा दमोह में 326 वाँ खालसा साजना दिवस (बैसाखी) पर्व बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान कीर्तन दरबार को सजाया गया। इंदरजीत सिंह अरोरा द्वारा बताया गया मुगल शासन के बढ़ते अत्याचारों को समाप्त करने के लिए, गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 में बैसाखी के दिन आनंदपुर साहिब के केसगढ़(पंजाब) में एक दीवान का आयोजन किया।

इस दीवान में लगभग 80,000 लोग शामिल हुए। सिख समाज द्वारा शनिवार को संध्या फेरी व गुरु गोविंद सिंह पार्क में कीर्तन का आयोजन किया गया। गुरुद्वारा साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब जी की समाप्ति उपरान्त रागी जत्था भाई मनप्रीत सिंह दमोह द्वारा अत: पटियाला से आये गियानी मनप्रीत सिंह लाली द्वाराशबद कीर्तन गुरबानी से संगत को निहाल किया । समाप्ति उपरांत गुरु का लंगर सभी धर्म प्रेमियों के लिये वरताया गया । गुरद्वारा गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष स.बलबीर सिंह सलूजा अत: सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अजा बस्तियों में भाजपा कार्यकर्ता संगोष्ठी कर संविधान पर करेंगे चर्चा करेंगे

दमोह देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित सामाजिक कार्यक्रम के तहत भारतीय संविधान सभा के निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती जिले के 24 मंडलों के प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ता पुष्पांजलि अर्पित करते हुए संगोष्ठी आयोजित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा की बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन पर आधारित उनके व्यक्तित्व और कर्तव्य को पार्टी कार्यकर्ता संगोष्ठी आयोजित करेंगे, जिसके माध्यम से कांग्रेस की संविधान विरोधी नीतियों को भी बताकर समाज को जागृत करने का प्रयास करेंगे, कांग्रेस ने हमेशा बाबा साहब को सम्मान नहीं दिया इस बात को लेकर भी चर्चा करें। भारतीय जनता पार्टी के लिए बाबा साहब का संविधान प्रथम है। पार्टी के जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, सभी जन प्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देशित करते हुए कहा कि बाबा साहब के सामाजिक जीवन पर संगोष्ठी के माध्यम से उनके व्यक्तित्व को बूथ स्तर पर परिचर्चा करके वक्ता बताएं और उनके छाया चित्रों पर पुष्प अर्पित करेंगे। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जहां भी प्रतिमाएं स्थापित है वहां पहुंचकर माल्यार्पण तथा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा तथा भाईचारे का संदेश देकर बाबा साहब के कर्तव्यों को आगे बढ़ाएंगे।

अंबेडकर प्रतिमा की सफाई कर भाजपा ने की अभियान की शुरूआत

पन्ना, देशबन्धु। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अम्बेडर जी की जन्म जयंती भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश पखवाड़े के रूप में मनाने जा रही है जिसकी शुरूआत 13 अप्रैल भाजपा नगर मंडल द्वारा पन्ना नगर के अम्बेडकर चौक में स्थित बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा एवं स्थल की सफाई के साथ इस अभियान की शुरूआत की जिसमें पूर्व मंत्री पन्ना विधायक श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति मीना विष्णु पांडे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संतोष यादव सहित नगर मंडल अध्यक्ष श्री कैलाश गुप्ता द्वारा अम्बेडकर प्रतिमा की साफ सफाई कर अभियान की शुरूयात की गई बता दें कि भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश पूरे प्रदेश में 13 अप्रैल से 25 अप्रैल तक बूथ-बूथ पर बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की जयंती पखवाड़े के रूप में मनाने जा रही है जिसमें 13 अप्रैल शाम को बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर दीपोत्सव कार्यक्रम के साथ जग-मग रोशनी की जाएगी एवं परिसर की साज-सज्जा की जाएगी 14 अप्रैल को बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी की जन्म जयंती पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं मिष्ठान वितरण किया जाएगा साथ में प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा एवं संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया जाएगा आंगनवाड़ी केन्द्रों और अनूसुचित जाति के बस्तियों एवं विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे एवं पार्टी के द्वारा जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा जिस तरह से कांग्रेस ने भारत के डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी को उनके जीवन के विभिन्ना पड़ावों पर अपमानित किया और भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें जो सम्मान दिया इस बात को देश के सभी लोगों में भली भांती जान ली है 13 अप्रैल के स्वच्छता अभियान में कार्यक्रम स्थल में पहुंचे पूर्व मंत्री व पन्ना विधायक श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर के आर्दशों पर चलने एकमात्र पार्टी भारतीय जनता पार्टी है जो उनके सिद्धांतों और उनके किए गए कार्यों को जन-जन तक पहुंचा रही है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष बाबू लाल यादव जी जिला मंत्री कविता रैकवार, पूर्व जिला महामंत्री विनोद तिवारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष शशि परमार, पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष नरेन्द्र यादव, सुरेन्द्र सिंह परमार, मंडल महामंत्री राजकुमार वर्मा, पार्षद गणों में संगीता राय, राजकुमारी लोधी, ओपो मजूमदार, सविता चौबे, चंचल जैन, मनोज गुप्ता, मनोज सेन, चन्द्रप्रभा तिवारी, अल्पेश शर्मा, दीपेश व्यास, धर्मेन्द्र नामदेव, जीतेश गुप्ता, शशांक वर्मा, रत्नेश पटैरिया, उमेश खटीक, अनिल जड़िया, आशू जैन, रजनी साहू, उदय मिश्रा सहित मातृशक्ति वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ता हुए शामिल।

हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा के दौरान आक्रोश

थाना प्रभारी व तहसीलदार की सूझबूझ से मामला हुआ शांत, आधे घंटे रुकी रही शोभायात्रा

पन्ना, देशबन्धु। हनुमान जन्मोत्सव पर जिले के पवई नगर में जगदीश स्वामी मंदिर से प्रारभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से शोभायात्रा निकल रही थी ,जब शोभा यात्रा सीएम राइज विद्यालय के पास से गुजर रही थी तभी रास्ते में मांस के टुकड़े बीच सड़क में पड़े मिले जिससे शोभा यात्रा में शामिल लोगों ने देखा और आपत्ति जताते हुए आक्रोश व्यक्त किया साथ ही शोभा यात्रा को रोक कर सड़क पर बैठ गए तभी थाना प्रभारी त्रिवेंद्र त्रिवेदी तहसीलदार प्रीति पंथी मौके पर पहुंची और नगर पंचायत से पानी टैंकर बुलवाकर नगर परिषद सफाई कर्मचारियों के सहयोग से साफ सफाई करवाई गई और आश्वासन दिया गया कि सुबह तक जिस किसी असमाजिक तत्व द्वारा यह कृत किया गया है कार्रवाई की जाएगी, तब कहीं जाकर आक्रोशित लोग माने साथ ही कड़े शब्दों में बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने कहा कि सुबह आठ बजे तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो पवई नगर सहित पूरा जिला बंद आंदोलन किया जाएगा

जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी धर्म भी रक्षा करता है: मुनि अभयसागर

दमोह/पथरिया देशबन्धु। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़े मन्दिर में 6 अप्रेल से 13 अपेल तक निर्णपक संत मुनि अभयसागर के संसघ सानिध्य में चलने वाले सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन के अवसर पर उन्होंने कहा कि धर्मो रक्षति रक्षित: यानी जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। यह एक संस्कृत वाक्यांश है जिसका अर्थ है कि जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म भी उसकी रक्षा करता है. जैन शास्त्र धवला में भी इसका उल्लेख पाया गया है। यह वाक्यांश का अर्थ है कि धर्म की रक्षा करने से न केवल धर्म की रक्षा होती है, बल्कि उस व्यक्ति की भी रक्षा होती है जो धर्म की रक्षा करता है. धर्म की रक्षा करना मतलब सत्य, अहिंसा, और न्याय की रक्षा करना है। एक जो व्यक्ति धर्म की रक्षा करता है धर्म उनकी रक्षा करता है । निर्यापक संत ने कहा कि संसारी प्राणी मोह में फसने के कारण उनमें मोक्षमार्गी की रास्ते भटक गया जिस कारण से वह अपना संसार बढ़ा रहा है। मुनि प्रभातसागर ने कहा कि विवेक से कार्य करने से पुण्य की वृद्धि होती है, पुण्य का वेग का फ्ल ऊंचाई की ओर पाप का वेग नीचे की ओरजाता है। मुनि ने आगे कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान सब विधानों का राजा है विधान में सभी रिद्धि धारी महा मुनिराजों की वंदना की गयी है. वर्तमान में मुनियों के पास ऋद्धि का अभाव है. मुनिराजों को ऋद्धियां तप, आराधना, संयम आदि से प्राप्त होती है, जिनकी आराधना वंदना करने से सभी प्रकार के कष्टों का निवारण संभव है साथ ही गुरु मुख से श्रीसिद्ध चक्र महामंडल विधान की महिमा बतायी गयी। मुनि चंद्रसागर का कहना है कि नीति और प्रीति, दोनों ही महत्वपूर्ण हैं, और सच्ची सेवा वही है जिसमें नीति और प्रेम दोनों हों. नीति का मतलब है सिद्धांत और नियम, जबकि प्रीति का मतलब है प्रेम और लगाव. मुनिश्री का मानना है कि जो लोग नीति के प्रति समर्पित होते हैं और प्रेम के साथ काम करते हैं, वे ही सच्ची समाज सेवा कर सकते हैं मुनि के अनुसार, सच्ची सामाजिक कार्य वह है जिसमें नीति और प्रीति दोनों का पालन किया जाता हो। मुनिश्री ने कहा कि जो लोग स्वार्थ में केवल अपने फायदे के लिए नीति का पालन करते हैं, वे झूठे हैं।

पॉलीटेक्निक पवई के विद्यार्थी अब बनाएंगे मोबाइल, लैपटॉप, टीवी

- विद्यार्थियों का माइक्रोमैक्स कंपनी का प्लेसमेंट आयोजित

पन्ना, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में माइक्रोमैक्स की सहायक कम्पनी भगवती प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट कार्यक्रम की शुरआत करते हुये संस्था के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी रामपाल कुशवाहा द्वारा प्लेसमेंट में आयोजित सभी विद्यार्थियों को इस संस्था में पूर्व में हुये प्लेसमेंट की जानकारी दी तथा संस्था के अधिकारियों का स्वागत किया गया ।इसके बाद कंपनी की ओर से पधारे एचआर मैनेजर चंद्रकांत मिश्रा ने कम्पनी की प्रोफाइल के बारे में जानकारी में बताया कि यह कम्पनी विभिन्न मोबाइल कंपनियों के पार्ट्स, टीवी के पार्ट्स, लैपटॉप के पार्ट्स आदि बनाती है, इस कम्पनी के वर्तमान में उत्तराखण्ड, राजस्थान, हैदराबाद, में कम्पनी के प्लान्ट मौजूद हैं इनके वर्तमान में बीजिंग के साथ भी टाई अप के साथ कम्पनी काम कर रही है। इनके कंपनियों में लगभग 60 प्रतिशत महिलाओं के द्वारा काम किया जा रहा है।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना से विशेष रूप से पधारे उत्कर्ष श्रीवास्तव विभागाध्यक्ष सीएसई द्वारा विद्यार्थियों के जिज्ञासा को शांत करते हुये प्लेसमेंट की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुये विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान सीखे गए ज्ञान का सही उपयोग करते हुये कंपनी द्वारा कराये जाने वाले हेंड ऑन कार्य के बारे में बताया ।श्रीवास्तव द्वारा आगे बताया गया कि कोई भी कंपनी सीधे प्रोडक्ट मैनुफैक्चरिंग में चयनित विद्यार्थियों से कार्य कराने वाली है जो की ट्रेनिंग के आनुसार भी बहुत अच्छा होगा। संस्था प्राचार्य अरविन्द त्रिपाठी द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि पढ़ाई और जॉब के बीच के बीच को भरने के लिए ऐसे हैंड ऑन ट्रेनिंग सह प्लेसमेंट की आवश्यकता होगी। त्रिपाठी ने प्लेसमेंट को अवसर के रूप में बताया कि कई बार पूरे जीवन में अवसर नहीं मिल पाता इसलिए जैसे ही अवसर मिले उसका सही लाभ उठाएँ।

इस प्लेसमेंट में कुल 103 रजिस्ट्रेशन हुये थे जिसमें से कुल द्ध22 विद्यार्थियों का चयन कंपनी द्वारा किया गया है जिसे जल्द से जल्द जॉइन करने के निर्देश दिये गए है। इसके अलावा रचना यादव, नीरज यादव, संत कुमार चौधरी, शालिनी शंकर को तुरंत आफ़र लेटर देकर दो दिवस में जॉइन करने के निर्देश दिये गए शेष सभी चयनित को भी जल्द से जल्द आफ़र लेटर देकर जॉइन करने के निर्देश प्रदाय दिये गए। कंपनी के एचआर मिश्रा जी द्वारा उच्च अध्ययन हेतु इच्छुक विद्यार्थियों को पूरा अवसर देने तथा उनके इस अवधि को कार्य दिवस में गिनने का भी आश्वासन दिया है।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पवई से विद्यार्थियों का एवं शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना से विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इनके चयन पर संस्था के आकाश गुप्ता, एन पी वर्मा, ज्ञानेन्द्र सिंह, सन्नी कचेर, सचिन चौरसिया, नीषी गर्ग, दीपचन्द अहिरवाल, पुष्पेंद्र गौतम, प्रशांत कुमार, ज्योत्सना पटेल, श्रीमति रमा सोनी, बसंत बागरी, कृष्ण कुमार, मयंक भगत, नीरज सेन, महेंद्र अहिरवार, सुश्री राखी परमार, शैलेंद्र शुक्ला, इरशाद अली, श्रीमति प्रसून रेले ने बधाइयाँ दी है। इसमें शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना के प्लेसमेंट प्रभारी हरगोविंद कुर्मी उपस्थित थे। इस प्लेसमेंट को सफल बनाने में राजेश सेन, देवेंद्र गर्ग, पुनीत द्विवेदी, सुशील, प्रवीण, विकास, श्रीमति राखी खंगार ने सहयोग दिया है।

भारत के संविधान निर्माता
भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर
की 135वीं जयंती पर सादर नमन

उद्यमिता की शक्ति लाएगी समृद्धि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए
₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता - 3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण

सब्सिडी 25% से 33%

पहले आएं, पहले पाएं पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय** - भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम** - किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान** - प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025